नई दिल्ली। सोमवार, 17 अगस्त, 2026
श्रावण शुक्ल पक्ष पंचमी, सिद्धार्थि संवत्सर विक्रम संवत 2083
वर्ष : 12, अंक : 222 / मूल्य 3.00 रुपए। पृष्ठ 12

दैनिक
विश्व केसरी
सिर्फ पत्रकारिता...
नई दिल्ली एवं छत्तीसगढ़ से एक साथ प्रकाशित
vishwakesari.com
@vishwakesariTV
@vishwakesari
vishwa_kesari_official
@VishwaKesari

@ प्रदेश चार दशक बाद नक्सलगढ़ के सुदूर मोसला...
@ विचार आखिर क्या है प्रधानमंत्री के सप्तधारा?...
@ व्यापार भारत की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप...

यूजीसी-नेट की इंग्लिश-कॉमर्स और सोशियोलॉजी की परीक्षाएं रद्द : एनटीए

पेपर में स्पेलिंग और प्रिंटिंग की गलतियां थीं; एग्जाम की नई तारीखें जारी

यूजीसी-नेट की इंग्लिश, कॉमर्स और सोशियोलॉजी विषयों की परीक्षाएं रद्द कर दी हैं। नेशनल टेस्टिंग एजेंसी रविवार को माना कि इन विषयों के प्रश्न पत्र में स्पेलिंग और प्रिंटिंग की गलतियां थीं।

एनटीए ने कहा- पेपर्स में पहले पूछे जा चुके सवाल दोहराए गए थे। आंसर-की जारी करने के बाद छात्रों ने गड़बड़ियों का जिक्र किया था। इन्हें केवल सवाल हटाकर ठीक नहीं किया जा सकता था।

एनटीए ने तीनों विषयों की दोबारा परीक्षा की तारीख जारी की है। अंग्रेजी, कॉमर्स और सोशियोलॉजी की परीक्षाएं 9 और 10 सितंबर को होंगी। एनटीए ने 22 से 30 जून तक यूजीसी-नेट एग्जाम कराया था।

री-एग्जाम के लिए दोबारा फीस नहीं ली जाएगी

नेट ने बताया कि अंग्रेजी की परीक्षा 9 सितंबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। कॉमर्स का पेपर उसी दिन दोपहर 3 बजे से शाम 6 बजे तक कराया जाएगा। सोशियोलॉजी की परीक्षा 10 सितंबर को सुबह 9 बजे से दोपहर 12 बजे तक होगी। दोबारा परीक्षा के लिए छात्रों से कोई नई फीस नहीं ली जाएगी।

शिकायतों के बाद बनी थी समिति

एनटीए ने बताया कि कई शिकायतें मिलने के बाद एक समिति बनाई गई थी। समिति ने पेपरों में कई तथ्य संबंधी, टाइपिंग और अनुवाद की गलतियां पाईं।

इसमें नाम गलत होना, किताबों के नाम बिगड़े हुए होना, सवालों का गलत तरीके से लिखा जाना, व्याकरण और विराम चिह्नों की गलतियां भी शामिल थीं। समिति ने यह भी पाया कि पहले पूछे जा चुके सवालों में से एक बड़ी संख्या दोबारा पूछी गई थी। एनटीए ने रविवार सुबह ही यूजीसी-नेट के 87 में से 84 विषयों की प्रोविजनल आंसर-की जारी की थी। इन तीन सब्जेक्ट्स की आंसर-की जारी नहीं की गई थी।

आंदोलित छात्रों ने हेमंत-राहुल और तेजस्वी के पुतले फूंके

सरकार ने फिर से भेजा वार्ता का न्योता

एजेंसी ■ रांची

झारखंड में जेपीएससी और जेएसएससी की भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं के खिलाफ आंदोलन के 23वें दिन छात्रों ने रविवार शाम को रांची विरोध मार्च निकाला और राज्य के सीएम हेमंत सोरेन, कांग्रेस नेता राहुल गांधी और बिहार के राजद नेता तेजस्वी यादव के पुतले फूंके।

छात्र आंदोलन स्थल जयपाल सिंह स्टेडियम से जुलूस की शक्ल में निकले और अल्बर्ट एक्का चौक तक पहुंचे। उन्होंने जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने और भर्ती परीक्षाओं में कथित गड़बड़ियों की सीबीआई जांच की मांग को लेकर सरकार के खिलाफ नारेबाजी की।

इस बीच, राज्य सरकार ने एक बार फिर बातचीत के जरिए गतिरोध खत्म करने की पहल की है। सरकार की ओर से आंदोलनरत छात्रों को 17 अगस्त को दोपहर दो बजे वार्ता के लिए आमंत्रित किया गया है। छात्रों को उनके विधिक सलाहकारों के साथ बातचीत में शामिल होने का प्रस्ताव दिया गया है। अनुमंडल पदाधिकारी और एडीएम, लॉ एंड ऑर्डर की ओर से छात्रों को सरकार के इस प्रस्ताव की जानकारी दी गई है। छात्रों का आंदोलन जेपीएससी और जेएसएससी की नियुक्तियों में कथित घोटाले और व्यापक भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर चल रहा है। आंदोलनकारी जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने के साथ भर्ती परीक्षाओं में अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग कर रहे हैं। हालांकि, पूर्व में सरकार और छात्रों के बीच हुई वार्ताओं में परीक्षा सुधार से जुड़ी कई मांगों पर सहमति बन चुकी है। सरकार की ओर से 14वीं जेपीएससी सिविल सेवा परीक्षा और बैकलॉग सिविल सेवा परीक्षा को रद्द करने की घोषणा भी की गई है।

इसके बावजूद, जेएसएससी-सीजीएल परीक्षा रद्द करने और अनियमितताओं की सीबीआई जांच की मांग को लेकर गतिरोध बना हुआ है। इससे पहले जेपीएससी-जेएसएससी रिफॉर्म मंच ने मुख्यमंत्री आवास घेराव का ऐलान किया था। मंच ने कहा है कि 20 अगस्त को राज्य के अलग-अलग जिलों से बड़ी संख्या में अभ्यर्थी रांची पहुंचेंगे और मुख्यमंत्री आवास का घेराव करेंगे। मंच ने पहली बार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के इस्तीफे की मांग भी उठाई है। रविवार को मार्च के दौरान छात्रों ने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। अल्बर्ट एक्का चौक पर पुतला दहन के बाद आंदोलनकारियों ने कहा कि उनकी मांगें पूरी होने तक आंदोलन जारी रहेगा।

अमृतसर में आईईडी और इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर बरामद

एजेंसी ■ चंडीगढ़

पंजाब के अमृतसर में ग्रामीण पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पुलिस प्रतिष्ठान को निशाना बनाने की कथित आतंकी साजिश को नाकाम कर दिया। पुलिस ने 690 ग्राम वजन का एक इम्प्रोवाइज्ड एक्सप्लोसिव डिवाइस (आईईडी), इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, बैटरी, टाइमर और लोहे का बॉक्स बरामद किया है। यह सामान मोम से लिपटे एक पैकेट में रखा हुआ था।

पंजाब के पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) गौरव यादव ने रविवार को बताया कि यह बरामदगी शनिवार और रविवार की दरम्यानी रात की गई। बरामद विस्फोटक सामग्री को निर्धारित सुरक्षा प्रोटोकॉल के तहत संभाला गया और बम निरोधक दस्ते ने उसे निष्क्रिय कर दिया। डीजीपी ने कहा कि अमृतसर ग्रामीण पुलिस ने राष्ट्रविरोधी तत्वों की साजिश को विफल करते हुए सार्वजनिक सुरक्षा के लिए संभावित खतरे को टाल दिया है। उन्होंने बताया कि मामले की आगे जांच की जा रही है और साजिश के पीछे शामिल लोगों की पहचान कर उन्हें गिरफ्तार करने के प्रयास जारी हैं।

अमृतसर ग्रामीण के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) कंवलप्रीत सिंह चहल ने बताया कि सुरक्षा व्यवस्था के तहत पहले ही चेकिंग प्वाइंट बढ़ा दिए गए थे और सरकारी प्रतिष्ठानों की निगरानी भी कड़ी कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि 15-16 अगस्त की रात सहायक उप निरीक्षक (एएसआई) कुलबीर सिंह रात में गश्त कर रहे थे। इसी दौरान गग्गोमहल पुलिस चौकी के अधिकार क्षेत्र में उन्हें काले रंग का मोम से लिपटा एक संदिग्ध पैकेट पड़ा मिला। पैकेट की जांच करने पर उसमें संदिग्ध आईईडी के साथ इलेक्ट्रॉनिक डेटोनेटर, बैटरी, टाइमर और लोहे का बॉक्स मिला। एसएसपी ने बताया कि सूचना मिलते ही बम निरोधक दस्ते को मौके पर बुलाया गया। दस्ते ने विस्फोटक सामग्री को मौके पर ही सुरक्षित तरीके से नष्ट कर दिया, जबकि अन्य सामान को पुलिस ने कब्जे में ले लिया।

मंगलुरु में सोनिया गांधी के खिलाफ हुई शिकायत

एजेंसी ■ मंगलुरु

कांग्रेस मुख्यालय में 15 अगस्त को 'वंदे मातरम' का अपमान करने पर कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी के खिलाफ कर्नाटक में स्थित मंगलुरु के उरवा पुलिस स्टेशन में शिकायत दी गई है।

भाजपा नेता विकास पुत्तूर कार्यकर्ताओं के साथ उरवा पुलिस स्टेशन पहुंचे और उन्होंने पुलिस को शिकायत सौंपी। उन्होंने आरोप लगाया कि 15 अगस्त को दिल्ली में कांग्रेस कार्यालय में आयोजित ध्वजारोहण समारोह का प्रसारण किया गया। इस कार्यक्रम में कांग्रेस नेता सोनिया गांधी मौजूद थीं। सोनिया गांधी ने 'वंदे मातरम' को बीच में ही रोकने के लिए कहा था। जब प्रोटोकॉल के अनुसार राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम' प्रस्तुत किया जा रहा था तो सोनिया गांधी ने इसके प्रति अनादर दिखाया और इसे रोकने पर जोर दिया। भाजपा नेता ने कहा, 'ऐसा लगता है कि यह शांति भंग करने के इरादे से जानबूझकर किया गया कृत्य है और यह हमारे देश के राष्ट्रगीत का अपमान है। इसलिए मेरा अनुरोध है कि सोनिया गांधी के खिलाफ तुरंत उचित कानूनी कार्रवाई की जाए, क्योंकि यह कृत्य 'राष्ट्रीय सम्मान के अपमान की रोकथाम अधिनियम' की धारा 3 और भारतीय न्याय संहिता की धाराओं 195 और 352 के तहत अपराध की श्रेणी में आता है। विकास पुत्तूर ने चेतावनी दी कि अगर एफआईआर दर्ज नहीं की गई, तो वह हाईकोर्ट में निजी शिकायत दर्ज कराएंगे।

उन्होंने यह भी कहा कि अगर राष्ट्रीय गीत या राष्ट्रीय सम्मान का कोई अपमान हुआ है, तो कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए। पुत्तूर ने पुलिस से यह भी सुनिश्चित करने को कहा कि इस मामले में कोई राजनीतिक दखल न हो। पुलिस को दी शिकायत में भाजपा नेता ने लिखा, 'मैं अपने देश भारत का बहुत सम्मान करता हूं और हमेशा इसके झंडे, राष्ट्रीय चिह्न, राष्ट्रगान, गीतों, संस्कृति, परंपराओं और मूल्यों का गहरा सम्मान करता आया हूं। 'वंदे मातरम' गीत की रचना स्वतंत्रता सेनानी बंकिम चंद्र चट्टोपाध्याय ने 1896 में की थी और इसने स्वतंत्रता संग्राम में अहम भूमिका निभाई थी। इसे भारत के राष्ट्रीय गीत का दर्जा प्राप्त है।

इजरायल के राष्ट्रपति ने स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी को दी शुभकामनाएं

एजेंसी ■ नई दिल्ली

इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति हर्जोग की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुभकामना दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका धन्यवाद अदा किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'प्रधानमंत्री नेतन्याहू, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। भारत-इजरायल की विशेष रणनीतिक साझेदारी और मजबूत हो, जिससे नए अवसर खुलें और हमारे देशों के लोगों के बीच गहरे संबंध बनें।

इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग की ओर से शुभकामना देने पर पीएम मोदी ने उनको धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से 'एक्स' पोस्ट में लिखा गया, 'राष्ट्रपति हर्जोग, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। भारत इजरायल के साथ अपनी दोस्ती को बहुत महत्व देता है। हम अपने लोगों के फायदे के लिए अपनी रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बीते दिन शनिवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया था, 'भारत और मेरे प्यारे दोस्त नरेंद्र मोदी को 80वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई। भारत और इजरायल को एक साल के अंतर से आजादी मिली। हम दो प्राचीन देश हैं जो अपने लोगों के लिए बेहतर जीवन लाने के लिए मिलकर भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। हमारी इनोवेशन और दोस्ती की कोई सीमा नहीं है। सबसे अच्छा समय तो अभी आना बाकी है!'

तीर तेवर — सागर कुमार

बेल्जियम में लगी भीषण आग से हाहाकार 2,000 हेक्टेयर जमीन जलकर राख

एजेंसी ■ ब्रसेल्स

बेल्जियम में आग लगने से हाहाकार मच गया है। आग इतनी भीषण है कि 2,000 हेक्टेयर जमीन जलकर राख हो गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी है कि शनिवार शाम तक बेल्जियम के पूर्वी इलाके 'हाई फेन्स' में लगी देश की अब तक की सबसे भीषण आग की वजह से लगभग 2,000 हेक्टेयर वनस्पति जलाकर राख हो गई है।

वालून पब्लिक सर्विस की ओर से पुष्टि की गई है कि जंगल की आग से जलने वाले सबसे बड़े इलाके का राष्ट्रीय रिकॉर्ड इस आग ने बनाया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे आग लगने के बाद लगभग 30 घंटे तक आग बुझाने का काम जारी रहा।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, आस-पास के इलाकों से करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। एहतियात के तौर पर वाइम्स नगरपालिका के सौरब्रॉड्ट इलाके के करीब 500 लोगों और बुटजेनबैक के करीब 100 लोगों को वहां से हटाया गया। सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने के आदेश सौरब्रॉड्ट की 15 सड़कों और बुटजेनबैक की सात सड़कों के लिए लागू किए गए थे। ईयू सिविल प्रोटेक्शन मैकेनिज्म के तहत अंतरराष्ट्रीय मदद जुटाई जा रही थी। आग पर काबू पाने के लिए डच सेना के दो हेलीकॉप्टर, चेक गणराज्य का एक फायरफाइटिंग हेलीकॉप्टर और स्वीडन के दो फायरफाइटिंग विमान तैनात किए गए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि हवाओं की वजह से आग बुझाने में परेशानी हो रही थी और आग के बढ़ने का भी खतरा बढ़ गया था। इससे पहले बेल्जियम ने आग बुझाने में अतिरिक्त मदद के लिए यूरोपीय संघ के सिविल प्रोटेक्शन मैकेनिज्म को सक्रिय करने का अनुरोध किया था। शनिवार को ईयू के बेड़े से एक हेलीकॉप्टर और दो फायरफाइटिंग विमान बेल्जियम के लिए रवाना हुए थे।

शनिवार दोपहर तक आग बेकाबू बनी हुई थी। बेल्जियम के अधिकारियों ने तीन हेलीकॉप्टर तैनात किए, जबकि सेना ने जमीन पर चल रहे ऑपरेशन को मजबूत करने के लिए तीन पैंथर फायरफाइटिंग वाहन भेजे थे। हाई फेन्स के दक्षिण में स्थित वाइम्स नगरपालिका के अधिकारियों ने सौरब्रॉड्ट के निवासियों से संभावित निकासी के लिए तैयार रहने को कहा, साथ ही यह भी बताया कि उन्हें फिलहाल अपने घर छोड़ने की जरूरत नहीं है।

एसआरएमआईएसटी के 22वें दीक्षांत समारोह में उपराष्ट्रपति बोले- 'विकसित भारत में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका'

विश्व केसरी

चेन्नई। भारत के उपराष्ट्रपति सी. पी. राधाकृष्णन ने रविवार को चेन्नई के पास चेंगलपट्टू के कट्टनकुलथुर में स्थित एसआरएम इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (एसआरएमआईएसटी) के 22वें दीक्षांत समारोह को संबोधित किया। उन्होंने स्नातक छात्रों से 'राष्ट्र प्रथम' के सिद्धांत से प्रेरित होकर राष्ट्र निर्माण के लिए अपने ज्ञान, कौशल और नवाचार का उपयोग करने का आह्वान किया।

उपराष्ट्रपति ने स्नातक छात्रों को संबोधित करते हुए कहा कि दीक्षांत समारोह मात्र उपाधि प्रदान करने से कहीं अधिक है। यह वर्षों की लगन, अनुशासन और ज्ञान का उत्सव है, साथ ही यह जीवन भर की जिम्मेदारी और सेवा की यात्रा की शुरुआत का प्रतीक भी है।

सीपी राधाकृष्णन ने अंतरविषयक शिक्षा, रचनात्मकता, उद्यमिता और आलोचनात्मक चिंतन को बढ़ावा देने वाले शैक्षणिक वातावरण के निर्माण के लिए एसआरएमआईएसटी की सराहना की। उन्होंने कृत्रिम बुद्धिमत्ता, क्वांटम प्रौद्योगिकी, सेमीकंडक्टर अनुसंधान, रोबोटिक्स, जैव प्रौद्योगिकी और सतत विकास पर संस्थान के बढ़ते ध्यान का उल्लेख करते हुए कहा कि ये क्षेत्र भविष्य की अर्थव्यवस्थाओं और समाजों को रूप देंगे।

उपराष्ट्रपति ने जीवन में सुधार लाने वाले, उद्योग मजबूत करने वाले और सतत विकास में योगदान देने वाले अनुसंधान को व्यावहारिक समाधानों में बदलने पर एसआरएमआईएसटी की सराहना की। उन्होंने कहा कि अनुसंधान तभी अपने सर्वोच्च उद्देश्य को प्राप्त करता है जब वह समाज की सेवा करता है।

उपराष्ट्रपति ने कहा कि अनुसंधान तभी सही मायने में सराहनीय होता है जब वह सही परिणाम देता है, समाज पर सार्थक प्रभाव डालता है और उससे लोगों को व्यावहारिक लाभ होता है।

उपराष्ट्रपति ने कोविड–19 महामारी के प्रति भारत की प्रतिक्रिया को याद करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत ने 100 से अधिक देशों को कोविड–19 टीके उपलब्ध कराए।

उन्होंने कहा कि भारत ने मानवीय सहायता का व्यवसायीकरण करने का प्रयास नहीं किया।

उन्होंने हाल ही में केन्या के स्पीकर जिन्होंने भारत की वैक्सीन सहायता के लिए आभार व्यक्त किया था, उनके साथ हुई बातचीत को याद करते हुए कहा कि कई पश्चिमी देशों ने गरीब देशों को इस तरह की सहायता प्रदान नहीं की।

राजस्थानः गृह मंत्री अमित शाह ने अलवर में 6453 करोड़ के विकास कार्यों का किया लोकार्पण व शिलान्यास

विश्व केसरी

अलवर । केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने रविवार को राजस्थान के अलवर में किसान सम्मान निधि व फसल बीमा योजना के तहत किसानों को डीबीटी हस्तांतरण, 10,580 युवाओं को सरकारी नौकरी के नियुक्ति पत्र वितरण और राजस्थान सरकार के 6,262 करोड़ रुपए के विकास कार्यों के लोकार्पण व शिलान्यास किया।

इस दौरान एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा की महाभारत से काल से जिन्होंने पांडवों को आश्रय दिया, वो यही मत्य भूमि है। आज अटल जी की पूण्य तिथि है, आज ही अलवर मेडिकल कॉलेज का नाम अटल बिहारी वाजपेयी के नाम से घोषित हो रहा है। अटल जी को देश का हर गांव प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के नाम से याद करता रहेगा। पूरा देश उनको सुशासन के लिए भी याद करेगा।

अमित शाह ने कहा कि श्रद्धेय अटल बिहारी वाजपेयी ने अपना संपूर्ण जीवन राष्ट्र निर्माण और अंत्योदय के लिए समर्पित कर दिया। आज राजस्थान के निम्बाहेड़ा में अटल जी की पुण्यतिथि पर उनकी 21 फीट ऊंची भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। अटल जी ने सुशासन, विकास और राष्ट्रप्रथम की राजनीति की जो नींव रखी, उनकी यह प्रतिमा युवाओं को उन्हीं आदर्शों पर चलने के लिए प्रेरित करेगी।

उन्होंने कहा कि अटल बिहारी वाजपेयी ने पक्ष से लेकर विपक्ष तक, हर परिस्थिति में अपने सिद्धांतों से कभी समझौता नहीं किया। प्रधानमंत्री बनने पर उन्होंने पूरे विश्व के दबाव के सामने बिना झुके पोखरण में परमाणु परीक्षण कर भारत को परमाणु शक्ति संपन्न राष्ट्र बनाया।

तेलंगाना ने खाद्य सुरक्षा और औषधि नियंत्रण विभागों का किया विलय, संयुक्त निकाय बनाना उद्देश्य

विश्व केसरी

हैदराबाद। तेलंगाना सरकार ने खाद्य सुरक्षा विभाग और औषधि नियंत्रण विभाग को मिलाकर एक ही प्रशासन के तहत लाने का फैसला किया है, जिसे टीजी सेफ – तेलंगाना स्टैंडर्ड्स अथॉरिटी फॉर फूड एंड एसेंशियल ड्रग्स कहा जाएगा।

स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग ने एक सरकारी आदेश जारी करके यह नया निकाय बनाया है।

इस आदेश के अनुसार, एकीकृत प्रशासन 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006' और 'दवा और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940' के तहत कानूनी प्रावधानों को बनाए रखेगा। संबंधित कानूनी अधिकारी और कर्मचारी संबंधित कानूनों के अनुसार स्वतंत्र रूप से अपनी शक्तियों का प्रयोग करते रहेंगे।

तेलंगाना में औषधि नियंत्रण प्रशासन के महानिदेशक के रूप में तैनात रहे आईपीएस अधिकारी अविनाश मोहंती को टीजी सेफ का आयुक्त नियुक्त किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इसके लिए एक अलग आदेश जारी किया है।

स्वास्थ्य, चिकित्सा और परिवार कल्याण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार, तेलंगाना में लाइसेंस प्राप्त खाद्य व्यापार कार्यों की बढ़ती संख्या को देखते हुए, असुरक्षित, नकली और घटिया गुणवत्ता वाले खाद्य पदार्थों और दवाओं को रोकने और सार्वजनिक स्वास्थ्य की रक्षा के लिए 'खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम, 2006' और 'दवा और प्रसाधन सामग्री अधिनियम, 1940' के तहत अनुपालन और प्रवर्तन को मजबूत करने की आवश्यकता है।

खाद्य सुरक्षा आयुक्त के अधीन काम करने वाला खाद्य सुरक्षा विभाग और 1981 से स्वतंत्र रूप से काम कर रहा दवा नियंत्रण विभाग, लाइसेंसिंग, निरीक्षण, नमूनाकरण, परीक्षण और प्रवर्तन के माध्यम से खाद्य पदार्थ, दवाएं और प्रसाधन सामग्री को विनियमित करते हैं।

खाद्य और दवा विभागों का एक ही प्रशासनिक ढांचे में विलय, जिससे कानूनी भूमिकाओं को बढ़ावा मिलता है और समन्वय, निगरानी और नियामक परिणामों में सुधार होता है, देश के कई राज्यों में पहले ही सफलतापूर्वक अपनाया जा चुका है।

आदेश में कहा गया है, 'खाद्य सुरक्षा विभाग और दवा नियंत्रण विभाग के सार्वजनिक स्वास्थ्य, उपभोक्ता सुरक्षा, गुणवत्ता आश्वासन और प्रभावी नियामक प्रवर्तन से संबंधित साझा उद्देश्य हैं। निगरानी, ??खुफिया जानकारी, प्रवर्तन, कानूनी सहायता और नियामक परिणामों में सुधार के लिए एक एकीकृत प्रशासनिक ढांचे की आवश्यकता है। सरकार ने सावधानीपूर्वक जांच के बाद अब खाद्य सुरक्षा विभाग और दवा नियंत्रण विभाग के लिए एक एकीकृत प्रशासनिक ढांचा स्थापित करने का निर्णय लिया है।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /34431.../ न. पा. नि. जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34431
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227L00353** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **PRADEEP BARADIY** पिता/पति श्री श्रीमती **SHRI BUDHMAL BARADIYA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती 1. कौशल बरडिया 2. शिवांग बरडिया पिता/पति श्री श्रीमती स्व. प्रदीप बरडिया ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /34429..../ न. पा. नि. जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34429
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227500399** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **KAVITA DEVI KEDIYA** पिता/पति श्री श्रीमती **NARSINGH PRASAD SINGHANIY** के नाम से दर्ज है जिसको श्री श्रीमती दीपू कुमार कन्दोई पिता / पति श्री श्रीमती राजा राम कन्दोई ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /34424..../ न. पा. नि. जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34424
वार्ड का नाम 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR227500923** जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती **MALAI CHAKRAVERTI** पिता / पति श्री श्रीमती **ARUN KUMAR CHAKRAVERTI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती प्रीती अग्रवाल पिता/पति श्री श्रीमती अनीश अग्रवाल ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /.. 34483.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34483
वार्ड का नाम 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108D00303** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **Jameela Begam** पिता / पति श्री/श्रीमती **Abdul Mazid** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **1. FOORQUAN AHMED 2. IRFAN AHMED 3.AFFAN AHMAD** पिता / पति श्री / श्रीमती **S/O IMTEYAZ AHMED** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत दानपत्र /वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /....34481.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34481
वार्ड का नाम 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107L0359A** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **MOHAN BHAI RATHORE** पिता / पति श्री/श्रीमती **KALYAN JI BHAI** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **JITENDRA RATHORE** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LATE MOHAN LAL RATHORE** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SAPATH PATRA, DEATH CERTIFICATE, PURAN PROPERTY PEPAR KE AADHAR PAR / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे 7 निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्र. 34392.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34392
वार्ड का नाम 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR107L00581** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SUDARSHAN MARWAH** पिता / पति श्री / श्रीमती **OMPRAKASH MARWAH** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **KAMAL KISHOR MARWAH** पिता / पति श्री/श्रीमती **S/O LATE OMPRAKASH MARWAH** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / SAPATH PATRA, DEATH CERTIFICATE, TAX RASID, PURAN PROPERTY PEPAR KE AADHAR PAR / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 6)
-:: आई. एस. बी. टी., चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर::-
Email ID-rmczone6@gmail.com

पत्र क्र. 34413/ न. पा. नि. जोन क्र. 6/2026
रापपुर, दिनांक 13-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34413
वार्ड का नाम 60 चन्द्रशेखर आजाद वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 60 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR652B00755** जो की निगम अभिलेख श्री श्रीमती **KEVARA BAI** पिता/पति श्री श्रीमती **LATE MUNSHILAL DEVDAS** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **NAMESH KUMAR DHRUW** पिता/पति श्री श्रीमती **S/O BODHAN LAL DHRUW** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार /SAHMATI PATRA OR SHAPATH PATRA OR MALMA BIKRINAMA / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 30 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/ आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

(जोन कमिश्नर)
जोन (6)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं7)
: : मंगलम काम्पलेक्स अग्रसेन चौक, रायपुर : :
Email ID - rmczone7@gmail.com

पत्र क्रं /....34437 / न. पा. नि. जोन नं-7/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34437
वार्ड का नाम - 36 - तात्यामारा वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 36 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR738F00178** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **TORAN LAL VERMA** पिता / पति श्री/श्रीमती के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती 01. श्रीमती खोरबाहरीन, 02. श्री शिव कुमार वर्मा, 03. श्री गोपाल प्रसाद वर्मा, 04. श्री कृष्णा वर्मा, 05. श्री रमेश कुमार वर्मा, 06. श्री सुरेश कुमार वर्मा, 07. दामिनी वर्मा पिता / पति श्री/श्रीमती पिता/पति स्व. तोरण लाल वर्मा ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

डॉ. तृप्ति पाणिग्रही
(जोन कमिश्नर)
जोन (7)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर ::-
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /.... 28073..../ न. पा. नि. / जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 28073
वार्ड का नाम 4- यतीयतनलाल वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 4 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR104A00586** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **JAI BHAGWAN SHARMA** पिता/पति श्री श्रीमती **SATYANARAYAN SHARMA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती **RAMESH SHARMA** पिता / पति श्री श्रीमती **SATYANARAYAN SHARMA** ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....34434.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34434
वार्ड का नाम - 12 - कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR225E00279** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SMT. MAMTA BAI** पिता / पति श्री/श्रीमती **RAM DAS BHALADHARE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री मनोज भावे पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. प्रभुदास भावे ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत बंटवारानामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 3)
- : : शंकर नगर पानी टंकी के नीचे, रायपुरः :
Email ID - rmczone3@gmail.com

पत्र क्रं /....34435.... / न. पा. नि. / जोन क्रं 3/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34435
वार्ड का नाम - 12 - कालीमाता वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 12 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR225E00279** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SMT. MAMTA BAI** पिता / पति श्री/श्रीमती **RAM DAS BHALADHARE** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती श्री राजू भाबे पिता / पति श्री/श्रीमती पिता स्व. प्रभुदास भावे ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र , शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत बंटवारानामा / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्रीमती प्रीति सिंह
(जोन कमिश्नर)
जोन (3)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
- : : पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः :-
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /34347..../ न. पा. नि. जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34347
वार्ड का नाम 11-डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227B00106** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **NIRMALA GOYAL** पिता / पति श्री/श्रीमती **DINASH GOYAL** के नाम से दर्ज है जिसको श्री । श्रीमती कंचन पाटकर पिता/पति श्री श्रीमती कैलाश प्रसाद पाटकर ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /.34325..../ न. पा. नि. जोन क्र. 9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34325
वार्ड का नाम 11- डॉ. भीमराव अम्बेडकर वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 11 स्थित भवन /भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227P00216** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **ASHWANI KUMAR** पिता/पति श्री श्रीमती **GANGURAM DEWANGAN** के नाम से दर्ज है जिसको श्री/श्रीमती 1. कु. सुनीता नायडू 2. कु. ललिता नायडू पिता / पति श्री श्रीमती पी. वाय नायडू ने मृत्यु प्रमाण पत्र सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा /प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 9)
-:: पुलिस थाना के पास, दुबे कॉलोनी, मोवा, रायपुरः : -
Email ID - rmczone9@gmail.com

पत्र क्रं /..34323..../ न. पा. नि. जोन क्रं 9/2026
रायपुर, दिनांक 16-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34323
वार्ड का नाम 10-रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 10 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई डी. **RPR227C00230** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **AMIT GANG** पिता/पति श्री श्रीमती **PREMCHAND GANG** के नाम से दर्ज है जिसको श्री / श्रीमती नीता मोहता पिता / पति श्री श्रीमती संजय मोहता ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करे '

श्री राकेश शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (9)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं - 1)
- : : संतोषी नगर, खमतराई पानी टंकी, रायपुर : : -
Email ID - rmczone1@gmail.com

पत्र क्रं /..34482.... / न. पा. नि. जोन क्रं 1/2026
रायपुर, दिनांक 14-08-2026

इश्तिहार
नामांतरण प्र.क्र. 34482
वार्ड का नाम 15 कन्हैयालाल बाजारी वार्ड

एतद द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 15 स्थित भवन / भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई. डी. **RPR108D00405** जो की निगम अभिलेख श्री / श्रीमती **SARITA GUPTA** पिता / पति श्री/श्रीमती **MOTI LAL GUPTA** के नाम से दर्ज है जिसको श्री /श्रीमती **AANCHAL SAINI** पिता / पति श्री/श्रीमती **W/O YOGESH SAINI** ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार / पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति / संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते है, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा / प्रस्तुत करे । निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा / आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा ।

सूचना जारी करे '

श्री अंशुल शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन (1)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

प्रेस क्लब सिहावा -नगरी

पंजीयन क्र. 122202414234

समस्त क्षेत्र वासियों को 15 अगस्त की हार्दिक शुभकामनाए

अध्यक्ष
श्री राजशेखर नायर
9424210591

उपाध्यक्ष
श्री अभिनव अवस्थी
9340385443

सचिव
श्री दीपेश निषाद
9009313646

कोषाध्यक्ष
श्री अशोक सचेती
7354733337

संरक्षक
श्री विनोद गुप्ता
9303595028

संरक्षक
श्री जीवन नाहटा
9753056010

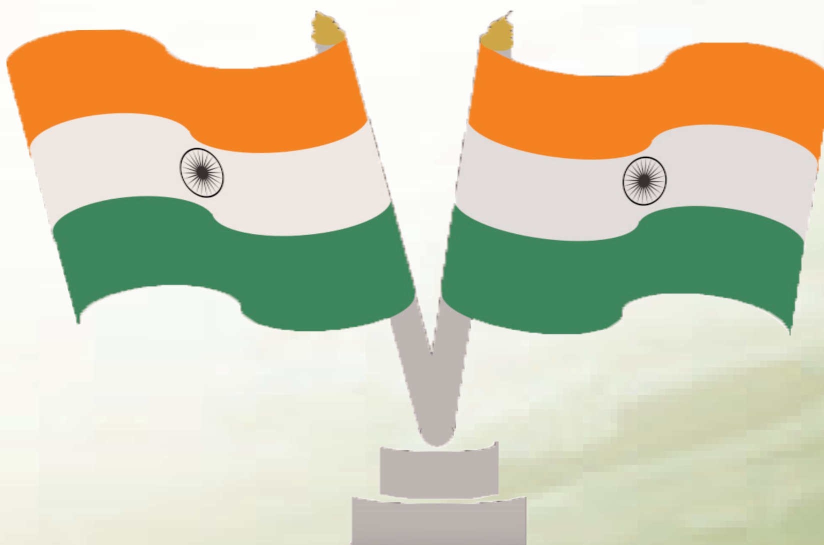

विनीत:- एक शुभचिंतक

विनीत:- वन परिक्षेत्र अधिकारी दुर्ग कोंदंल

विनीत:- वन परिक्षेत्र अधिकारी भानुप्रतापपुर

विनीत:- एस.डी.ओ. आर.ई. एस स्टाप दुर्ग कोंदंल

विनीत:- एस.डी.ओ. आर.ई. एस स्टाप भानुप्रतापपुर

संकलनकर्ता :- दीपक शर्मा भानुप्रतापपुर- 9425262294

संपादकीय

नागपंचमी पर विशेष

मंदिरों की शिल्पकला में क्यों अमर हैं नाग?

आचार्य ललित मुनि

भारतीय कला में नागों की यह उपस्थिति इतनी व्यापक है कि यह प्रश्न स्वाभाविक रूप से उठता है कि आखिर एक ऐसे जीव को, जिससे मनुष्य सामान्यत: भयभीत रहता है, मंदिरों की पवित्र शिल्पकला में इतना महत्वपूर्ण स्थान क्यों मिला? इसका उत्तर भारतीय संस्कृति की उस दृष्टि में मिलता है, जिसमें प्रकृति और मनुष्य को एक-दूसरे से अलग नहीं माना गया।

भारतीय परंपरा में नाग केवल जैविक अर्थ में सांप नहीं है। नाग एक ऐसी सांस्कृतिक और धार्मिक संकल्पना भी है, जिसमें सर्प के साथ जल, धरती, उर्वरता, रहस्य, शक्ति और संरक्षण जैसे अनेक अर्थ जुड़े हैं। प्राचीन भारतीय परंपराओं में नागों को भूमिगत लोक, जलाशयों और प्राकृतिक शक्तियों से भी जोड़ा गया।

यही कारण है कि मंदिर शिल्प में नाग कभी मनुष्याकार तो कभी सर्पाकार और कभी मानव शरीर तथा सर्पाकार शरीर के सम्मिलित रूप में दिखाई देते हैं। नागों को कई फणों के साथ दिखाना भी उनकी असाधारण शक्ति और दैवी स्वरूप का संकेत माना गया।

भारतीय मंदिर शिल्प में नागों की सबसे प्रसिद्ध उपस्थिति विष्णु और शिव से जुड़े रूपों में दिखाई देती है। भगवान विष्णु के अनंतशयन रूप में शेषनाग की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। विष्णु अनंत की कुंडलियों पर शयन करते हैं और उसके अनेक फण उनके ऊपर छत्र की तरह फैल जाते

हैं। यहां नाग केवल एक सर्प नहीं, बल्कि अनंतता, संरक्षण और ब्रह्मांडीय व्यवस्था का प्रतीक बन जाता है।

दूसरी ओर शिव की प्रतिमाओं में सर्प उनके गले में दिखाई देता है। शिव के साथ सर्प का संबंध भय और मृत्यु पर नियंत्रण, शक्ति और वैराग्य की प्रतीकात्मक व्याख्याओं से जोड़ा गया है। इस प्रकार एक ही जीव विष्णु के लिए शैय्या और छत्र बनता है तथा शिव के लिए आभूषण। यह भारतीय प्रतीक-चिंतन की विशेषता है कि प्रकृति का कोई जीव एक ही अर्थ में सीमित नहीं रहता।

समुद्र मंथन की कथा में भी नागराज वासुकि की महत्वपूर्ण भूमिका है। देवताओं और असुरों द्वारा समुद्र मंथन के लिए वासुकि को मथनी की रस्सी के रूप में उपयोग किए जाने का प्रसंग भारतीय कला में अनेक रूपों में अंकित हुआ है।

नागों का एक महत्वपूर्ण रूप रक्षक का है। भारतीय धार्मिक परंपराओं में नागों को जलाशयों, कुओं, तालाबों और भूमिगत संपदा के संरक्षक के रूप में देखा गया। इसी कारण नाग प्रतिमाओं का संबंध केवल गर्भगृह या मुख्य देवता से ही नहीं रहा, बल्कि मंदिर परिसर और पवित्र जलस्थलों से भी जुड़ा। भारतीय मंदिर शिल्प में नागों का अंकन कई बार देवता के साथ अधीनस्थ या सहायक रूप में दिखाई देता है, जबकि कुछ स्थानों पर वे स्वतंत्र रक्षक के रूप में उपस्थित हैं।

यहां एक गहरा सांस्कृतिक संकेत दिखाई देता है। जल जहां जीवन का आधार है, वहीं जलस्रोतों के आसपास सर्पों की प्राकृतिक उपस्थिति भी रही है। संभव है कि लोकजीवन के अनुभवों ने धीरे-धीरे जल और नाग के बीच धार्मिक संबंध को मजबूत किया हो। इसीलिए नाग पूजा में जल, वर्षा, उर्वरता और समृद्धि के भाव भी दिखाई देते हैं।

भारत के अनेक हिस्सों में नागों को उर्वरता और संतान प्राप्ति से जोड़ा गया है। दक्षिण भारत में नागशिलाओं की पूजा की परंपरा विशेष रूप से उल्लेखनीय है। पवित्र वृक्षों के नीचे स्थापित नाग प्रतिमाओं के सामने संतान और समृद्धि की कामना की जाती है। भारतीय सांस्कृतिक परंपराओं के अध्ययन में नाग पूजा को उर्वरता और समृद्धि से जुड़े अनुष्ठानों से भी जोड़ा गया है। यह संबंध केवल धार्मिक कल्पना नहीं है। कृषि समाज के लिए वर्षा, जल, भूमि और फसल का आपसी संबंध जीवन-मरण का प्रश्न था।

आखिर क्या है प्रधानमंत्री के सप्तधारा?

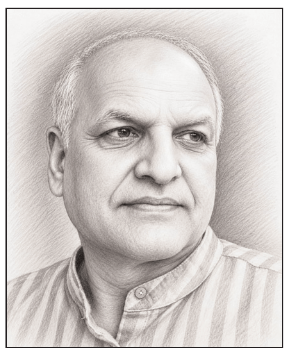

गिरीश पंकज

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 80वें स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले की प्राचीर से राष्ट्र को संबोधित करते हुए 'शक्ति की सप्तधारा' की ऐतिहासिक रूपरेखा प्रस्तुत की। यह सात सूत्रीय विकास ढांचा भारत को वर्ष 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने के संकल्प को गति देने और अगले कुछ वर्षों में देश के आर्थिक, रणनीतिक तथा सामाजिक परिदृश्य को बदलने के उद्देश्य से तैयार किया गया है। प्राचीन भारत की सांस्कृतिक व भौगोलिक शक्ति के प्रतीक 'सप्त सिंधु' की अवधारणा को आधुनिक संदर्भ में ढालते हुए प्रधानमंत्री ने इन सात विकास धाराओं को राष्ट्रीय पुनरुत्थान का आधार स्तंभ बताया है। प्रधानमंत्री का भाषण सुनते हुए मुझे पाँच दशक पहले लोकनायक जयप्रकाश नारायण (जेपी) द्वारा प्रतिपादित 'संपूर्ण क्रांति' के वैचारिक ढांचे में समाज और व्यक्ति के जीवन को पूरी तरह बदलने के लिए सात क्रांतियों की याद हो आई, जिन्हें 'सप्तक्रांति' नाम से भी जाना जाता है। जेपी का मानना था कि केवल राजनीतिक सत्ता या सरकार बदलना परिवर्तन के लिए पर्याप्त नहीं है, बल्कि समाज के हर स्तर पर बुनियादी बदलाव होना चाहिए। जयप्रकाश नारायण की सप्त क्रांति के सात प्रमुख आयाम थे, राजनीतिक क्रांति, आर्थिक क्रांति, सामाजिक क्रांति, सांस्कृतिक क्रांति, शैक्षणिक क्रांति, बौद्धिक क्रांति एवं बौद्धिक क्रांति । भ्रष्ट राजनीतिक व्यवस्था और अधिनायकवादी प्रवृत्तियों को समाप्त कर सत्ता का वास्तविक विकेंद्रीकरण करना और सच्चे अर्थों में सांस्कृतिक क्रांति जनता का राज (लोकराज) स्थापित करना। समाज की आर्थिक असमानता, वर्गभेद, शोषण और बेरोजगारी को खत्म करके न्यायपूर्ण उत्पादन व वितरण प्रणाली पर आधारित शैक्षणिक क्रांतिसमतामूलक व्यवस्था बनाना। जाति, धर्म, वर्ण और लिंग आधारित भेदभाव (जैसे जात-पात, ऊँच-नीच, छुआछूत और दहेज प्रथा) का पूरी तरह उन्मूलन कर एक समरस समाज का निर्माण करना। रूढ़िवादिता, पाखंड और संकीर्णता को त्यागकर मानवीय मूल्यों, नैतिकता, बंधुत्व और सहिष्णुता पर आधारित संस्कृति को अपनाना। शिक्षा प्रणाली में आमूल-चूल सुधार करना ताकि वह रोजगारोन्मुख होने के साथ-साथ युवाओं में नैतिक मूल्यों और सामाजिक दायित्वों का बोध करा सके। व्यक्ति और समाज में दबी हुई तार्किक क्षमता को उभारना, अंधविश्वासों का विरोध करना और स्वतंत्र व वैज्ञानिक चिंतन को बढ़ावा देना, व्यक्ति के भीतर नैतिक मूल्यों, अंतरात्मा की शुद्धि और आत्मानुशासन को जागृत करना ताकि मनुष्य भौतिक स्वार्थ से ऊपर उठकर समाज के प्रति ईमानदार रह सके। इन सातों क्रांतियों का समग्र उद्देश्य व्यक्ति के आंतरिक सुधार से लेकर बाहरी सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक ढांचे में एक साथ क्रांतिकारी परिवर्तन लाना था।

लेकिन अब प्रधानमंत्री मोदी के दौर में समय बदल चुका है, इसलिए उन्होंने अलग किस्म की सप्त क्रांति की बात की । विभिन्न माध्यमों से प्राप्त वैचारिक सामग्री के अनुसार प्रधानमंत्री की सप्तक्रांति अथवा सप्तधारा को मैंने विभिन्न माध्यमों से जैसा समझा, उसे रखने की कोशिश कर रहा हूँ :-

1. मैन्युफैक्चरिंग पावर :भारत को केवल असेंबली हब न बनाकर 'डिजाइन से लेकर अंतिम उत्पाद' तक की संपूर्ण मूल्य श्रृंखला का वैश्विक केंद्र बनाना, वैश्विक मानकों पर खरा उतरने के लिए 'जीरो डिफेक्ट' निर्माण प्रक्रिया को राष्ट्रीय ब्रांड वैल्यू बनाना, चिप निर्माण में आत्मनिर्भरता और सेमीकंडक्टर फैब यूनिट्स का तीव्र विस्तार। वैश्विक कंपनियों के लिए चीन के विकल्प के रूप में भारत को सबसे विश्वसनीय सप्लाई चेन पार्टनर के रूप में स्थापित करना।

2. कृषि और फूड प्रोसेसिंग: भारतीय कृषि को केवल निर्वाह अर्थव्यवस्था से निकालकर उच्च मूल्य वर्धित निर्यातोन्मुख क्षेत्र में बदलना। विभिन्न देशों के साथ हुए मुक्त व्यापार समझौतो का लाभ उठाकर भारतीय कृषि उत्पादों की अंतरराष्ट्रीय बाजारों में पैठ बढ़ाना। भारतीय मोटे अनाज, मसालों, जैविक फलों और सब्जियों को वैश्विक प्रीमियम ब्रांड बनाना,फसल कटाई के बाद के नुकसान को न्यूनतम करने के लिए आधुनिक एग्रो-प्रोसेसिंग क्लस्टर्स का निर्माण ।

3. तकनीक और नवाचार : भारत को डिजिटल उपभोक्ता से आगे बढ़ाकर भविष्य की उन्नत प्रौद्योगिकियों का वैश्विक निर्माता बनाना, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (कृत्रिम बुद्धिमत्ता), रोबोटिक्स, क्वांटम कंप्यूटिंग, स्पेस टेक और अत्याधुनिक डेटा सेंटर्स। डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर और यूपीआई की सफलता के बाद स्वदेशी संचार तकनीक का नेतृत्व। तकनीकी परिवर्तन के अनुकूल युवाओं को तैयार करने के लिए बड़े पैमाने पर कौशल विकास, जैसे भारत एआई मिशन के तहत एक करोड़ युवाओं का एआई प्रशिक्षण देना ।

4. गति शक्ति : देश में लॉजिस्टिक्स लागत को वैश्विक औसत पर लाना और परिवहन के सभी माध्यमों को एकीकृत करना। प्रमुख आर्थिक केंद्रों और कुछ शहरों के बीच तेज गति वाली रेल और आधुनिक हाईवे कनेक्टिविटी। सागरमाला परियोजना के तहत बंदरगाहों का आधुनिकीकरण और उन्हें अंतर्देशीय जलमार्गों तथा डेडिकेटेड फ्रेट कॉरिडोर से जोड़ना। आपूर्ति श्रृंखला में होने वाली देरी और ईंधन खपत को घटाने के लिए एकीकृत लॉजिस्टिक्स हब।

5. रक्षा शक्ति और आत्मनिर्भरता : रक्षा आयातों पर रणनीतिक निर्भरता समाप्त कर भारत को एक प्रमुख रक्षा उत्पादक और वैश्विक निर्यातक बनाना, हाइपरसोनिक मिसाइल तकनीक, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर, ड्रोन और काउंटर-ड्रोन सिस्टम्स का स्वदेशी विकास,घरेलू रक्षा उत्पादन और रक्षा निर्यात को अगले पाँच वर्षों में रिकॉर्ड स्तर पर पहुंचाना। रक्षा गलियारों के माध्यम से स्वदेशी उद्योग को बढ़ावा देना।

?6. ग्रीन और ब्लू इकोनॉमी : आर्थिक विकास को पर्यावरणीय स्थिरता और समुद्री संपदा के सतत दोहन के साथ संतुलित करना।ग्रीन हाइड्रोजन, सोलर व विंड एनर्जी स्टोरेज, और सौ गीगावाट परमाणु ऊर्जा क्षमता का राष्ट्रीय लक्ष्य। 7,500 किलोमीटर से अधिक लंबी तटरेखा का उपयोग कर डीप ओशन एक्सप्लोरेशन, आधुनिक मत्स्य पालन, समुद्री जैव प्रौद्योगिकी और तटीय पर्यटन को गति देना। समुद्री उत्पादों के प्रसंस्करण और निर्यात को अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप अपग्रेड करना।

7. भारत की सॉफ्ट पावर :भारत की सांस्कृतिक विरासत, ज्ञान परंपरा और रचनात्मक अर्थव्यवस्था को अंतरराष्ट्रीय कूटनीति तथा आर्थिक प्रभाव का माध्यम बनाना। योग, आयुर्वेद और समग्र स्वास्थ्य का वैश्विक प्रसार,भारतीय सिनेमा, संगीत, गेमिंग, हस्तशिल्प और कला को वैश्विक मंच पर आर्थिक शक्ति बनाना। सांस्कृतिक, ऐतिहासिक और इको-टूरिज्म सर्किट्स के जरिए अंतरराष्ट्रीय पर्यटकों को आकर्षित करना।

प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि 5 से 7 दशकों का काम हमें आने वाले 5 से 7 वर्षों में पूरा करना है इसे उन्होंने रिफॉर्म एक्सप्रेस कहा है । विपक्ष प्रधानमंत्री की लाख आलोचना करते रहे लेकिन प्रधानमंत्री मोदी अपने विजन को लेकर निरंतर गतिशील हैं और राष्ट्र के विकास हेतु नित नई योजनाओं पर काम करते रहते हैं। उसी का नतीजा है यह सप्त धारा ।भारत के पास समय की असीमित गुंजाइश नहीं है। जनसांख्यिकीय लाभांश का पूरा लाभ उठाने के लिए प्रशासनिक, नीतिगत और ढांचागत सुधारों को युद्धस्तर पर लागू करना होगा। सप्तधारा कोई अलग-थलग योजना नहीं है, बल्कि यह गति शक्ति, डिजिटल इंडिया, मेक इन इंडिया, पीएलआई स्कीम्स और ऊर्जा सुरक्षा जैसी विभिन्न नीतियों को एक साझा लक्ष्य 'विकसित भारत' के तहत एकीकृत करती है।

आधुनिक वैश्विक परिदृश्य में ऊर्जा, चिप्स, रक्षा साजो-सामान और आवश्यक खनिजों के लिए दूसरों पर निर्भर रहना राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जोखिम है।

पंचायतें, पितृसत्ता और न्याय का प्रश्न

डॉ. सत्यवान सौरभ

क्या उसे गरीब आदमी की बेटी होने के कारण क्षमा मिल गई? यहाँ के मुद्दे पंचायतें, पितृसत्ता और न्याय का प्रश्न हैं।

बेटी की मृत्यु किसी के लिए त्रासदी नहीं है। यह समाज के सामने एक सवाल खड़ा करती है: क्या सभी बेटियों का मूल्य उनके परिवार की सामाजिक-आर्थिक स्थिति की परवाह किए बिना समान है? क्या किसी गरीब परिवार की बेटी की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु होने पर न्याय की उम्मीद कम हो जानी चाहिए, सिर्फ इसलिए कि परिवार में धन, प्रभाव या सामाजिक शक्ति की कमी है? क्या गंभीर आरोप लगने पर गांव की पंचायत दूसरे परिवार को 'माफ़' कर सकती है?

सिल्लू बलहारा के मामले में इन सवालों ने इन चिंताओं को सार्वजनिक रूप से उजागर कर दिया है। अंतत:, किसी भी मामले में तथ्यों और आरोपों की पुष्टि निष्पक्ष जांच प्रक्रिया और आधिकारिक दस्तावेज़ों के माध्यम से होनी चाहिए। किसी को भी केवल सोशल मीडिया सामग्री के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जाना चाहिए। लेकिन इस विवाद से उत्पन्न एक बड़ा मुद्दा अनदेखा नहीं किया जा सकता: जब किसी संदिग्ध मामले में बेटी की मौत की जांच पंचायत द्वारा की जाती है जो नियमों का पालन करने से इनकार करती है और परिवार के साथ समझौता कर लेती है, तो क्या यह न्याय है?

पंचायतें जमीनी स्तर की लोकतांत्रिक व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। स्थानीय क्षेत्र के शासन, विकास और सामुदायिक जीवन में इनका अहम योगदान होता है। हालांकि, पंचायत न्यायालय नहीं है। आपराधिक जिम्मेदारी तय करने में यह पुलिस, अभियोजन पक्ष या न्यायपालिका का स्थान नहीं ले सकती। हिंसा, उत्पीड़न या अप्राकृतिक मृत्यु के किसी भी गंभीर आरोप की जांच कानूनी व्यवस्था के माध्यम से ही होनी चाहिए। दोषी या निर्दोष साबित करने के लिए साक्ष्य और उचित कानूनी प्रक्रिया पर विचार किया जाना चाहिए, न कि सामाजिक प्रभाव या सामुदायिक दबाव पर।

यह महत्वपूर्ण है क्योंकि ग्रामीण समाज अक्सर पंचायतों द्वारा लिए गए निर्णयों को नैतिक रूप से बहुत अधिक महत्व देता है। एक कमजोर परिवार समूह के दबाव में आसानी से झुक सकता है। यदि प्रमुख व्यक्ति समझौता करने को कहते हैं, तो परिवार को लग सकता है कि वे सामाजिक रूप से अलग-थलग पड़ जाएंगे, संघर्ष का खर्च वहन करने में असमर्थ होंगे या और अधिक अपमान का सामना करेंगे। इस प्रकार, बाहरी पर्यवेक्षकों को यह 'समझौता' लग सकता है, लेकिन वास्तव में यह सौदेबाजी की असमान शक्ति का परिणाम हो सकता है।

अंतर अवश्य हैं, लेकिन मूल प्रश्न का उत्तर यही है, 'क्या परिस्थितियाँ वैसी ही होतीं यदि मृतक किसी प्रभावशाली परिवार का पुत्र होता?' इस प्रश्न में समाज का दोहरा मापदंड निहित है। जब किसी बेटे की संदिग्ध परिस्थितियों में मृत्यु हो जाती है, तो परिवार आमतौर पर जवाब, जाँच और दंड की माँग करता है, यदि यह निर्धारित हो जाता है कि कुछ गड़बड़ हुई है। यह एक ऐसी माँग है जिसे समाज अक्सर बढ़ावा देता है। हालाँकि, अक्सर यह अपेक्षा की जाती है कि जब किसी की बेटी का निधन हो जाता है, विशेषकर यदि उसकी शादी हो चुकी हो, तो परिवार को समझौता कर लेना चाहिए। उनकी यादें पारिवारिक सम्मान, बच्चों के भविष्य, सामाजिक प्रतिष्ठा और रिश्तों की अवधारणाओं से जुड़ जाती हैं। त्रासदी को समायोजन के विषय में बदल दिया जाता है। यह किसी भी प्रकार से न्याय नहीं है। यह केवल देशभक्ति के वेश में स्त्री की विवेकशीलता है।

भारतीय समाज में पुत्रों को हमेशा से ही बहनों से अधिक महत्व दिया गया है। पुत्रों को परिवार का उत्तराधिकारी, रक्षक और नाम का वाहक माना जाता रहा है।

बोध कथा

अमृत की खोज

ईरान के बादशाह खुसरो के प्रधानमंत्री बुर्जोई राज चिकित्सक भी थे। वह नई औषधियों पर शोध करते और उन पर लिखे ग्रंथ भी पढ़ते रहते थे। एक बार उन्हें पता लगा कि भारत में किसी पर्वत पर संजीवनी नाम की बूटी होती है, जिससे मृत व्यक्ति जीवित हो जाता है और स्वस्थ व्यक्ति यदि उसका सेवन कर ले तो वह हमेशा स्वस्थ और जवान बना रहता है।

भाषा के संसाधन

बुर्जोई यह सुनकर रोमांचित हो उठे। उन्होंने अपने बादशाह से भारत आने की इजाजत ली। वह भारत आए और संजीवनी बूटी की खोज में लग गए। वह अनेक पर्वतों और जंगलों में गए लेकिन कहीं भी उन्हें संजीवनी नजर नहीं आई। एक दिन वह एक पेड़ की छांव में आराम कर रहे थे, तभी एक पंडित जी वहां पहुंचे। वह बुर्जोई को देखकर बोले, 'आप परदेसी मालूम होते हैं।' बुर्जोई बोले, 'हां भई, मैं परदेसी ही हूं। मैंने सुना है कि आपके यहां संजीवनी बूटी के रूप में अमृत मिलता है। मैंने यहां बहुत तलाश किया लेकिन वह बूटी मुझे कहीं नजर नहीं आई।'

यह सुनकर पंडित जी मुस्कराने लगे और बोले, 'संजीवनी बूटी तो केवल हनुमान ही तलाश कर पाए थे। आज के समय में तो संजीवनी बूटी शायद न मिले लेकिन अमृत अवश्य मिल सकता है। हमारे यहां अमृत 'पंचतंत्र' नामक ग्रंथ में है। जो उस ग्रंथ को समझ-बूझ कर पढ़ लेता है, समझ लीजिए उसने अमृत ग्रहण कर लिया। वह ग्रंथ जीवन में अमृत घोल देता है और व्यक्ति जब तक जीवित रहता है सकारात्मक विचारों से भरा रहता है।' बुर्जोई पंडित जी की बात से प्रभावित हुए। वह पंचतंत्र की एक प्रति लेकर अपने देश लौट गए।

चुटकुले

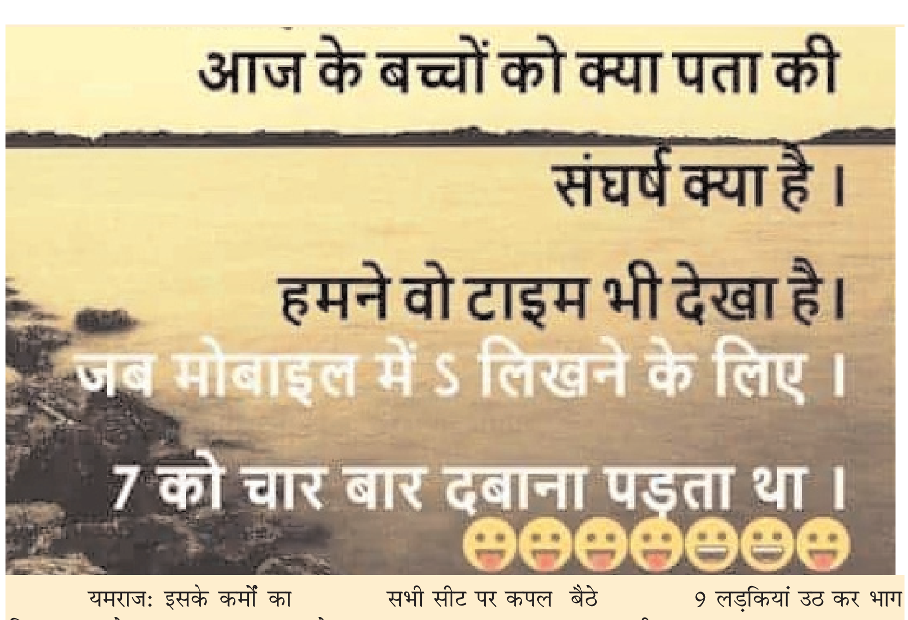

यमराज: इसके कर्मों का हिसाब बताओ?
चित्रगुप्त: अच्छे कर्म है?
यम: स्वर्ग भेजो?
चित्रगुप्त: किंतु इसका आधार कार्ड लिंक नही हुआ?
यम: नर्क में भेजो साले को।

मै रेस्टोरेंट गया
सभी सीट पर कपल बैठे थे
बैठने के लिए जगह ही नही थीं
मैंने फोन कान पे लगा के जोर से बोला
भाई जल्दी आ यहीं पर है ,,
दूसरे के साथ बेठी हैं तु जल्दी आ बस
9 लड़कियां उठ कर भाग गयी

आज के बच्चों को क्या पता की संघर्ष क्या है ।
हमने वो टाइम भी देखा है।
जब मोबाइल में S लिखने के लिए ।
7 को चार बार दबाना पड़ता था ।

व्यंग्य केसरी

आस्तीन के सांप : बाप रे बाप!

रविंद्र गिन्नोरे

भारत में विषधर सांपों को पूजा जाता है। नागपंचमी नागों के पूछने का पर्व है। विषधर होने के बावजूद सांप पूजनीय है। वहीं आस्तीन के सांप हमेशा डसने की ताक में बैठे रहते हैं। ताजुब्ब है कि आस्तीन वाले सांप ज़मीन पर रेंगते नहीं है बल्कि वे दो पैर वाले होते हैं। 'आस्तीन' फ़ारसी भाषा का शब्द है। मुगलों के साथ यह शब्द आया। फिर मुहावरा बना आस्तीन के सांप अर्थात् मित्र बनकर नुकसान पहुंचाने वाला व्यक्ति।

आस्तीन के सांप दिखाई नहीं पड़ते जो जहरीले सांपों से ज्यादा खतरनाक साबित होते हैं। देश में इन दिनों आस्तीन के सांपों की तादाद बहुत बढ चली है। छद्म नाम और चोला पहनकर भारतीय बने हुए हैं पर वास्तव में हैं नहीं..। नामी-गिरामी लोइ आस्तीन के सांप की भूमिका निभा रहे हैं। भोली भाली जनता को बरगलाने के लिए बहुतों ने अपना नाम बदल रखा है। ऐसे सारे आस्तीन के सांप हिंन्दू नामधारी बने हैं। लोकतंत्र में जनता को लूटने, स्वांग रचने वाले बहरूपियों को आम आदमी नहीं पहचान पाता।

देश में आजकल कुछ जगहों पर आस्तीन के साँपों की बड़ी इज़्ज़त बढ़ चली भी। ये सीधे मंचों पर चढ़ते हैं, माइक पकड़ते हैं, और देशभक्ति का ऐसा प्रवचन झाड़ते हैं कि सुनने वाला खुद को ही देशद्रोही समझने लगे। इनके चेहरे पर मासूमियत इतनी गहरी होती है कि लगता है जैसे दूध में धुले नहीं, बल्कि प्रचार में उबाले गए हों। सोशल मीडिया में छाए हुए हैं। इनके भीतर का ज़हर इतना संयमित रहता है कि वह धीरे-धीरे असर दिखाता है, जैसे कोई पॉलिश की हुई चालाकी हो।

और मज़े की बात यह है कि ऐसे लोग अपना चोला बदलने में इतने निपुण होते हैं कि कल तक जो किसी और नाम से पहचाने जाते थे आज नए नाम, नए रंग और नए आदर्शों के साथ जनता के सामने खड़े हो चले हैं। भोली जनता भी उन्हें देखकर सोचती रह जाती है—वाह, क्या संस्कार हैं..! क्या विचार हैं..! और उधर आस्तीन में छिपा साँप मुस्कराता हुआ अपने डंक की धार और तेज़ करता रहता है। लोकतंत्र की सबसे बड़ी त्रासदी शायद यही है कि यहाँ बहरूपिए अक्सर ईमानदार और ईमानदार लोग कई बार संदिग्ध दिखाई पड़ते हैं। यही कारण है देश में आस्तीन के तेजी से पनप रहे हैं।

ravindraginnore
58@gmail.com

इतिहास

17 अगस्त के इतिहास में भारत विभाजन की रेडक्लिफ रेखा का प्रकाशन, महान क्रांतिकारी मदन लाल ढींगरा की शहादत और इंडोनेशिया का स्वतंत्रता दिवस जैसी प्रमुख घटनाएं दर्ज हैं।

मुख्य ऐतिहासिक घटनाएं1909: महान भारतीय क्रांतिकारी मदन लाल ढींगरा को लार्ड कर्जन वायली की हत्या के आरोप में लंदन की पेंटनविले जेल में फांसी दी गई थी।

1909: महान भारतीय क्रांतिकारी मदन लाल ढींगरा को लार्ड कर्जन वायली की हत्या के आरोप में लंदन की पेंटनविले जेल में फांसी दी गई थी। 1945: इंडोनेशिया को डच (नीदरलैंड्स) शासन से आजादी मिली थी और इसी दिन इंडोनेशिया ने अपने स्वतंत्रता दिवस की घोषणा की थी। 1947: भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा तय करने वाली रेडक्लिफ लाइन (Radcliffe Line) को आधिकारिक तौर पर सार्वजनिक किया गया था।

रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर ने मनाया 80वां स्वतंत्रता दिवस समारोह, देशभक्ति का दिखा जज्बा-उल्लास

विश्व केसरी■

बिलासपुर (अमित मिश्रा)। रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर द्वारा देश के 80वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर रोटरी भवन एवं राष्ट्रीय पाठशाला में गरिमामय एवं देशभक्ति से ओत-प्रोत कार्यक्रम आयोजित किए गए। दोनों स्थानों पर ध्वजारोहण के साथ स्वतंत्रता दिवस समारोह का शुभारंभ हुआ। कार्यक्रमों में राष्ट्रप्रेम, सामाजिक सेवा, आपसी सद्भाव एवं राष्ट्र निर्माण की भावना स्पष्ट रूप से दिखाई दी।

रोटरी भवन में ध्वजारोहण

रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर के रोटरी भवन में आयोजित स्वतंत्रता दिवस समारोह में राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया गया। इसके पश्चात वंदे मातरम् गीत एवं राष्ट्रगान प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर उपस्थित रोटेरियन्स ने देश के स्वतंत्रता संग्राम के वीर सेनानियों एवं राष्ट्र निर्माण में अपना योगदान देने वाले असंख्य नागरिकों के प्रति श्रद्धा एवं कृतज्ञता व्यक्त की।

कार्यक्रम में पूर्व डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रोटेरियन एस. पी. चतुर्वेदी, अध्यक्ष रोटेरियन अमित चक्रवर्ती, कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजीव भारद्वाज, इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन शैलजा शुक्ला, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन डॉ. आर. के. सक्सेना, रोटेरियन डॉ. संजय ढंढारिया पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन आशीष अग्रवाल, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन सतीश कुमार शाह, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन अनिल अग्रवाल सहित रोटेरियन रोहित शिवहरे, रोटेरियन सुधा शर्मा, रोटेरियन पायल लाठ, रोटेरियन आनंद खेमका, रोटेरियन सुरेंद्र गुम्बर, रोटेरियन डॉ. सी. पी. करन, रोटेरियन दीपक खंडेलवाल, रोटेरियन सिद्धार्थ भट्टाचार्य, रोटेरियन एल. पी. गुप्ता, प्रेसिडेंट इलेक्ट रोटेरियन श्याम सुंदर मित्तल, रोटेरियन डॉ. पी. के. श्रीवास्तव, रोटेरियन स्वाति वर्मा, रोटेरियन किरण सिंह एवं उदयवीर सिंह बाली सहित क्लब के अनेक वरिष्ठ रोटेरियन्स एवं सदस्य उपस्थित रहे।

वरिष्ठ रोटेरियन्स एवं क्लब सदस्यों की गरिमामयी उपस्थिति ने समारोह को विशेष गौरव प्रदान किया। सभी सदस्यों ने एकजुट होकर राष्ट्र के प्रति अपनी जिम्मेदारियों को निभाने तथा समाज सेवा के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम ने रोटरी के मूल मंत्र 'Service Above Self' — स्वयं से पहले सेवा की भावना को भी सशक्त रूप से प्रदर्शित किया।

राष्ट्रीय पाठशाला में विशेष स्वतंत्रता दिवस समारोह

इसके पश्चात रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर द्वारा राष्ट्रीय पाठशाला, बिलासपुर में भी 80वें स्वतंत्रता दिवस का भव्य एवं प्रेरणादायी आयोजन किया गया। यहां राष्ट्रीय ध्वज का ध्वजारोहण किया गया, जिसके बाद वंदे मातरम् गीत एवं राष्ट्रगान हुआ। विद्यालय परिसर में लहराता तिरंगा देशभक्ति एवं राष्ट्रीय गौरव की भावना से सभी को अभिभूत कर रहा था।

कार्यक्रम का नेतृत्व रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर के अध्यक्ष रोटेरियन अमित चक्रवर्ती ने किया। समारोह के विशेष अतिथि सेवानिवृत्त कर्नल राकेश सिंह बिसेन जी रहे। भारतीय सेना में अपने अमूल्य 38 वर्षों के योगदान के लिए समर्पित एवं देश की सेवा करने वाले इस गौरवशाली पूर्व सैनिक की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष गरिमा प्रदान की।

इस अवसर पर रोटरी क्लब ऑफ बिलासपुर द्वारा सेवानिवृत्त कर्नल राकेश सिंह बिसेन जी का सम्मान एवं अभिनंदन किया गया। यह पूरे क्लब के लिए अत्यंत गौरव एवं सम्मान का विषय रहा कि स्वतंत्रता दिवस जैसे राष्ट्रीय पर्व पर क्लब की ओर से ऐसे वीर एवं समर्पित पूर्व सैनिक का सम्मान किया गया, जिन्होंने अपने जीवन के 38 महत्वपूर्ण वर्ष राष्ट्र की सेवा एवं सुरक्षा के लिए समर्पित किए। उनका अनुशासन, समर्पण, देशभक्ति एवं सेवाभाव उपस्थित सभी लोगों, विशेषकर विद्यालय के विद्यार्थियों के लिए प्रेरणास्रोत रहा।

इस अवसर पर इमीडिएट पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन शैलजा शुक्ला, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन डॉ. आर. के. सक्सेना, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन सतीश शाह, पास्ट प्रेसिडेंट रोटेरियन पवन नालोटिया, कोषाध्यक्ष रोटेरियन राजीव भारद्वाज, रोटेरियन पायल लाट, रोटेरियन सुधा शर्मा, रोटेरियन अंकित सिंघल एवं रोटेरियन सिद्धार्थ भट्टाचार्य सहित अन्य रोटेरियन्स उपस्थित रहे। विद्यालय की ओर से प्राचार्य माणिक भट्टाचार्य, मेहता मैडम, विद्यालय प्रबंधन, शिक्षकगण एवं विद्यार्थीगण उपस्थित रहे। इनरव्हील क्लब की पदाधिकारीगण एवं सदस्यगण की उपस्थिति ने भी कार्यक्रम की गरिमा को बढ़ाया और रोटरी परिवार के बीच सहयोग एवं fellowship की भावना को मजबूत किया।

नशीली टेबलेट की बिक्री करते पंजाब का आरोपी गिरफ्तार

विश्व केसरी■

जगदलपुर (अरुण पाढ़ी) नशे के खिलाफ बस्तर पुलिस की जीरो टॉलरेंस नीति के तहत कोतवाली पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अवैध नशीली टेबलेट की बिक्री करने के आरोप में पंजाब के एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से Dipheno&ylate Hydrochloride & Atropine Sulphate Tablets IP Lomotil की 5 पत्तियों में कुल 285 टेबलेट तथा बिना नंबर की हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल जब्त की है। जब्त सामग्री की अनुमानित कीमत करीब 50 हजार रुपये बताई गई है।

पुलिस के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र में इंद्रावती नदी के पुराने पुल के पास एक व्यक्ति के नशीली टेबलेट लेकर बिक्री के लिए खड़े होने की सूचना मिली थी। सूचना के आधार पर पुलिस अधीक्षक शलभ कुमार सिन्हा के निर्देशन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुखनंदन राठौर के मार्गदर्शन और नगर पुलिस अधीक्षक सुमित कुमार के पर्यवेक्षण में कोतवाली एवं बोधघाट पुलिस की संयुक्त टीम गठित की गई।

टीम ने मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की और मुखबिर द्वारा बताए गए हुलिए के आधार पर एक संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मंगल सिंह पिता चंदन सिंह, उम्र 40 वर्ष, निवासी ग्राम टोंग, पोस्ट राया, थाना ब्यास, जिला अमृतसर, पंजाब बताया। तलाशी लेने पर उसके कमर में रखे बेल्ट बैग से प्रतिबंधित नशीली टेबलेट बरामद हुईं। पुलिस द्वारा टेबलेट रखने और उनकी बिक्री के संबंध में वैध दस्तावेज अथवा संतोषजनक जवाब मांगा गया, लेकिन आरोपी कोई वैधानिक प्रत्युत्तर नहीं दे सका। पूछताछ में उसने नशीली टेबलेट बेचने की बात स्वीकार की। इसके बाद पुलिस ने आरोपी के कब्जे से 285 टेबलेट और बिना नंबर की हीरो डीलक्स मोटरसाइकिल विधिवत जब्त कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर ने निकाला मार्च, गांधी चौक में किया सत्याग्रह

विश्व केसरी■

कांकेर (रोहित श्रीवास्तव)। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के निर्देशानुसार जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर अध्यक्ष बसंत यादव के नेतृत्व मै कांग्रेस की रैली के स्थल पर कथित रूप से किए गए 'शुद्धिकरण' के विरोध में मार्च एवं सत्याग्रह आंदोलन आयोजित किया गया। कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुराना बस स्टैंड कांकेर से गांधी चौक तक मार्च निकालकर घटना के प्रति विरोध दर्ज कराया और गांधी चौक में सत्याग्रह किया। कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष बसंत यादव ने कहा कि कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री मल्लिकार्जुन खड़गे की उपस्थिति के बाद रैली स्थल का गंगाजल से तथाकथित 'शुद्धिकरण' किया जाना अत्यंत निंदनीय एवं दुर्भाग्यपूर्ण कृत्य है। उन्होंने इसे भेदभावपूर्ण मानसिकता का परिचायक बताते हुए कहा कि ऐसी घटनाएं देश की सामाजिक समरसता,समानता,बंधुत्व और मानवीय गरिमा के मूल्यों के विपरीत हैं। इसी घटना के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी कांकेर के पदाधिकारी,वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं बड़ी संख्या में कार्यकर्ता पुराना बस स्टैंड में एकत्रित हुए। यहां से कांग्रेसजनों ने हाथों में पार्टी का झंडा एवं तख्तियां लेकर नारे लगाते हुए शहर के प्रमुख मार्ग से गांधी चौक तक मार्च किया। गांधी चौक पहुंचकर कांग्रेसजनों ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों के अनुरूप सत्याग्रह कर अपना विरोध प्रकट किया। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष बसंत यादव ने कहा कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे देश के वरिष्ठ नेता हैं और उनके प्रति इस प्रकार का व्यवहार केवल किसी व्यक्ति या राजनीतिक दल का अपमान नहीं है,बल्कि देश के करोड़ों लोगों की गरिमा,समानता,बंधुत्व और सामाजिक न्याय की भावना पर आघात है। भारत का संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता एवं सम्मान का अधिकार प्रदान करता है और लोकतांत्रिक समाज में जातिगत एवं भेदभावपूर्ण मानसिकता के लिए कोई स्थान नहीं होना चाहिए। कांग्रेस नेताओं ने कहा कि पार्टी संविधान, सामाजिक न्याय,समानता, भाईचारे और मानवीय गरिमा की रक्षा के लिए आवाज उठाती रहेगी। महात्मा गांधी द्वारा दिखाए गए सत्य एवं अहिंसा के मार्ग पर चलते हुए कांग्रेस समाज में नफरत,भेदभाव और विभाजनकारी मानसिकता का लोकतांत्रिक तरीके से विरोध करती रहेगी।

चार दशक बाद नक्सलगढ़ के सुदूर मोसला गांव में पहली बार शान से लहराया तिरंगा

विश्व केसरी■

भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा ने दुर्गम रास्तों और तेज बहाव वाले नालों को पार कर ग्रामीणों व छात्रों के साथ किया ध्वजारोहण

बीजापुर (के. संतोष)। बीजापुर - स्वतंत्रता दिवस के ऐतिहासिक अवसर पर बस्तर के सुदूर और कभी नक्सलवाद के प्रभाव वाले इलाकों में आजादी की नई तस्वीर देखने को मिली। बीजापुर जिले के विकासखंड बीजापुर अंतर्गत ग्राम पंचायत कैका के सुदूर गांव मोसला में आजादी के बाद पहली बार राष्ट्रीय ध्वज शान से फहराया गया। इस ऐतिहासिक अवसर पर भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के प्रदेश अध्यक्ष राहुल योगराज टिकरिहा विशेष रूप से गांव पहुंचे और ग्रामीणों एवं स्कूली छात्रों के साथ ध्वजारोहण कर स्वतंत्रता दिवस का जश्न मनाया।बताया गया कि बस्तर संभाग के बीजापुर, नारायणपुर और सुकमा जिलों के कुल 92 ऐसे गांवों में इस वर्ष पहली बार तिरंगा फहराया गया, जहां आजादी के बाद से अब तक राष्ट्रीय ध्वज फहराने का अवसर नहीं मिल सका था। मोसला गांव में हुआ ध्वजारोहण इसी बदलाव और नए बस्तर की तस्वीर को सामने लाने वाला ऐतिहासिक क्षण रहा।

चार दशक बाद नक्सलगढ़ के सुदूर गांव में पहुंचे भाजपा नेता मोसला पहुंचने के लिए राहुल योगराज टिकरिहा को बेहद दुर्गम रास्तों से होकर गुजरना पड़ा। नक्सल प्रभावित क्षेत्र की सुनसान सड़कों, बारिश के कारण जगह-जगह बने दलदली कीचड़, उबड़-खाबड़ रास्तों और तेज बहाव वाले नालों को पार करते हुए वे मोटरसाइकिल से आगे बढ़े। कई स्थानों पर बाइक दलदल में फंसी तो कहीं पैदल चलकर रास्ता तय करना पड़ा। इसके बावजूद तिरंगा फहराने और ग्रामीणों के बीच स्वतंत्रता दिवस मनाने का संकल्प कायम रहा। करीब चार दशक बाद किसी भाजपा नेता का इस तरह नक्सलगढ़ के दुर्गम इलाके में पहुंचना ग्रामीणों के लिए भी उत्साह और विश्वास का बड़ा संदेश रहा। ग्रामीणों और छात्रों के साथ मनाया आजादी का पर्व मोसला गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय एवं आंगनबाड़ी परिसर में आयोजित कार्यक्रम में ग्रामीणों और विद्यार्थियों की मौजूदगी में ध्वजारोहण किया गया। तिरंगा फहराते ही पूरा वातावरण देशभक्ति के नारों से गूंज उठा। ग्रामीणों और बच्चों के चेहरों पर पहली बार अपने गांव में राष्ट्रीय ध्वज फहराए जाने की खुशी साफ दिखाई दी।

समाजसेवा, पत्रकारिता और साहित्य में योगदान के लिए सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत' छत्तीसगढ़ रत्न से हुए सम्मानित

विश्व केसरी■

रायपुर। समाजसेवा, निर्भीक पत्रकारिता और साहित्य-सृजन के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए बिलासपुर के वरिष्ठ पत्रकार, साहित्यकार एवं समाजसेवी सुरेश सिंह बैस 'शाश्वत' को राष्ट्रीय स्तर पर सम्मानित किया गया। रायपुर में आयोजित अखिल भारतीय प्रतिभा महासम्मेलन में मिला सम्मान, बिलासपुर के लिए गौरव का क्षण स्वतंत्रता दिवस की पूर्व संध्या पर 14 अगस्त 2026 को रायपुर के पंडित दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में आयोजित 'अखिल भारतीय प्रतिभा महासम्मेलन एवं पुरस्कार समारोह-2026' में उन्हें 'छत्तीसगढ़ रत्न सम्मान' प्रदान किया गया।राष्ट्रीय स्तर के इस गरिमामय समारोह में देशभर से चयनित समाजसेवियों, साहित्यकारों, पत्रकारों, शिक्षाविदों, कलाकारों एवं विभिन्न क्षेत्रों में विशिष्ट योगदान देने वाली प्रतिभाओं को सम्मानित किया गया। समारोह में सेवानिवृत्त प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा पूर्व विधिक सलाहकार , राज्यपाल , छत्तीसगढ़ भीष्म प्रसाद पाण्डेय, अध्यक्ष छत्तीसगढ़ योग आयोग , संजय अग्रवाल; महापौर मीनल चौबे , रायपुर ; विधायक पुरंदर मिश्रा , रायपुर ; केपीएस प्रमुख राकेशकुमार मिश्रा सहित महाराष्ट्र एवं मध्यप्रदेश से आए अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही । कार्यक्रम में प्रदेश प्रभारी , पतंजलि योग समिति, छत्तीसगढ़ डॉ. मनोज पाणीग्रही ; छत्रपती संभाजीनगर , महाराष्ट्र से डॉ. पंढरीनाथ रोकडे ; भुसावल , महाराष्ट्र से डॉ. दिलीपकुमार ललवाणी ; मुंबई से डॉ. गौतम ऋषि मोरे तथा भोपाल से महान साहित्यकार डॉ. सुनिता पेंद्रो की विशेष उपस्थिति ने समारोह को राष्ट्रीय स्वरूप प्रदान किया । समारोह के मुख्य संयोजक ऍड क्रांति महाजन रहे । यह आयोजन रेडियंट टैलेंट बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड की संकल्पना एवं पहल पर तथा विभिन्न सामाजिक , शैक्षणिक , सांस्कृतिक एवं प्रतिभा-सम्मान से जुड़ी संस्थाओं के सहयोग एवं समन्वय से आयोजित किया गया यहां आयोजित इस महासम्मेलन की विशेषता छत्तीसगढ़ की कला , संस्कृति , लोकपरंपरा और प्रतिभाओं को राष्ट्रीय मंच से जोड़ना रही ।

डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, उल्लूर में देशभक्ति एवं उत्साह के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

विश्व केसरी■

भोपालपट्टनम। उल्लूर, भोपालपट्टनम - डीएवी मुख्यमंत्री पब्लिक स्कूल, उल्लूर में 15 अगस्त 2026 को स्वतंत्रता दिवस समारोह देशभक्ति, उत्साह एवं उल्लास के साथ गरिमापूर्ण वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि जिला पंचायत सदस्य कविता कोरम तथा विशिष्ट अतिथि खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार कोरम उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के प्राचार्य पी. वेणुगोपाल राव ने की। समारोह में शिक्षकगण, विद्यार्थी, अभिभावक एवं पत्रकारगण मौजूद रहे।

मुख्य अतिथि कविता कोरम ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के साथ राष्ट्रगान हुआ और उपस्थित लोगों ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी। विद्यार्थियों ने देशभक्ति के जोशीले नारों से पूरे परिसर को राष्ट्रप्रेम की भावना से गुंजायमान कर दिया। इसके बाद चारों सदनों के विद्यार्थियों ने अनुशासित एवं आकर्षक मार्च-पास्ट प्रस्तुत किया।मार्च-पास्ट के पश्चात ऋग्वेद, सामवेद, अथर्ववेद एवं यजुर्वेद सदन के सदन प्रमुखों सहित मुख्य छात्र, मुख्य छात्रा, सांस्कृतिक गतिविधि प्रमुख, अनुशासन प्रमुख एवं खेल प्रमुख को बैज पहनाकर पद की शपथ दिलाई गई तथा उनके दायित्वों से अवगत कराया गया।इसके बाद माँ सरस्वती के छायाचित्र पर पुष्प अर्पित कर एवं दीप प्रज्वलित करके सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। अतिथियों का पुष्पगुच्छ से स्वागत किया गया। विद्यार्थियों ने स्वागत गीत प्रस्तुत किया। मंच संचालन नीलम साहू एवं विक्टोरिया रानी ने किया।सांस्कृतिक कार्यक्रम में चारों सदनों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। ऋग्वेद सदन ने देशभक्ति गीत पर शानदार प्रस्तुति दी, यजुर्वेद सदन ने प्रभावशाली नाटक प्रस्तुत किया, अथर्ववेद सदन की ऊर्जावान नृत्य प्रस्तुति ने दर्शकों का उत्साह बढ़ाया, जबकि सामवेद सदन ने भी देशभक्ति से ओतप्रोत शानदार प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम के सफल संचालन एवं समन्वय में सांस्कृतिक गतिविधि प्रमुख सपना गुर्रम की महत्वपूर्ण भूमिका रही।खंड शिक्षा अधिकारी विजय कुमार कोरम ने विद्यार्थियों को देशप्रेम, शिक्षा, अनुशासन एवं राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी का संदेश दिया। उन्होंने स्वतंत्रता सेनानियों के संघर्ष, त्याग और बलिदान को याद करते हुए विद्यार्थियों से उनके आदर्शों से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। इस दौरान स्वतंत्रता सेनानियों की स्मृति में एक मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि अर्पित की गई।

मुख्य अतिथि कविता कोरम ने विद्यार्थियों को देशप्रेम एवं जिम्मेदारी का संदेश देते हुए कहा कि प्रत्येक व्यक्ति के मन में राष्ट्रप्रेम की भावना होनी चाहिए।

बिरगांव में निकाली गई 150 फीट की तिरंगा यात्रा

विश्व केसरी■

रायपुर। पार्षद इकराम अहमद ने बताया की स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर बिरगांव में आयोजित 150 फीट लंबी विशाल तिरंगा यात्रा में ऐतिहासिक जनसैलाब उमड़ा। गाज़ी नगर से शुरू हुई यह यात्रा बॉम्बे बेकरी, नगर निगम कार्यालय, बुधवारी बाजार, बिरगांव मेन रोड और व्यास तालाब चौक होते हुए जौहरे आजम चौक पहुंची। यात्रा के दौरान पूरा बिरगांव देशभक्ति और राष्ट्रप्रेम के रंग में रंगा नजर आया।

गाज़ी नगर बिरगांव के जौहरे आजम चौक पर डॉ. जौहर मियां शफियाबादी साहब ने तिरंगा फहराया। इस अवसर पर अपने उद्बोधन में उन्होंने कहा कि अंग्रेजों के खिलाफ संघर्ष करते हुए देश की आजादी के लिए हमारे हजारों वीर सपूतों ने अपने प्राणों की आहुति दी, तब जाकर हमारा देश आजाद हुआ। आज भी कुछ ताकतें देश की एकता और अखंडता को कमजोर करने का प्रयास कर रही हैं। ऐसे लोगों को पहचानने और उनसे सावधान रहने की आवश्यकता है।

तिरंगा यात्रा में बड़ी संख्या में मुस्लिम समाज के लोगों के साथ-साथ बिरगांव के विभिन्न वर्गों के नागरिकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। हाथों में तिरंगा लिए हजारों लोगों का उत्साह और देशभक्ति का जज्बा देखते ही बन रहा था। अमर शहीदों के जयघोष और राष्ट्रप्रेम के नारों से पूरा बिरगांव गूंज उठा।

150 फीट लंबे तिरंगे के साथ निकली इस विशाल यात्रा ने बिरगांव में एकता, भाईचारे और देशप्रेम की मजबूत मिसाल पेश की। यात्रा के दौरान शहर की सड़कों पर तिरंगे की विशाल छटा दिखाई दी। बड़ी संख्या में नागरिकों की सहभागिता ने इस आयोजन को बिरगांव के इतिहास का एक यादगार और गौरवपूर्ण अध्याय बना दिया।

इस अवसर पर पार्षद इकराम अहमद ने कहा कि यह यात्रा किसी एक व्यक्ति या संस्था का आयोजन नहीं, बल्कि पूरे बिरगांव की जनता के सामूहिक देशप्रेम, एकता और भाईचारे का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि जिस उत्साह और उमंग के साथ नागरिकों ने इस यात्रा में हिस्सा लिया, वह बिरगांव की सामाजिक एकता और देश के प्रति सम्मान की भावना को दर्शाता है। इकराम अहमद ने कहा, 'बिरगांव की 150 फीट की विशाल तिरंगा यात्रा में उमड़े ऐतिहासिक जनसैलाब और आप सभी साथियों के अपार सहयोग के लिए हम हृदय से आभारी हैं। आपका प्रेम, उत्साह और देशभक्ति हमेशा याद रहेगी। यह यात्रा आने वाली पीढ़ियों को भी एकता, भाईचारे और राष्ट्रप्रेम का संदेश देती रहेगी।

उन्होंने यात्रा को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी नागरिकों, सामाजिक कार्यकर्ताओं, युवाओं, माताओं-बहनों, जनप्रतिनिधियों, प्रशासन, पुलिस, नगर निगम के अधिकारियों-कर्मचारियों तथा आयोजन से जुड़े सभी साथियों का हृदय से आभार व्यक्त किया।

दीपावली-होली से भी बढ़कर मनाएं राष्ट्रीय पर्व - विधायक रोहित साहू

विश्व केसरी■

राजिम (शेखर मिश्रा)। धर्मनगरी राजिम में देश का 80वां स्वतंत्रता दिवस उत्साह, उमंग और देशभक्ति के वातावरण में धूमधाम से मनाया गया। नगर के विभिन्न स्थानों पर ध्वजारोहण कार्यक्रम आयोजित किए गए, जिनमें जनप्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों, व्यापारियों, युवाओं, स्कूली बच्चों और नगरवासियों ने बढ़-चढ़कर सहभागिता निभाई। पूरे नगर में तिरंगे की शान और राष्ट्रभक्ति का जज्बा दिखाई दिया।

स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर राजिम विधायक रोहित साहू ने क्षेत्र के विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रमों में मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की। उन्होंने बस स्टैंड स्थित पंडित सुंदरलाल शर्मा चौक पर बेरोजगार संघ एवं नगरवासियों द्वारा आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में तिरंगा फहराया। इसके पश्चात विधायक ने विकास मोटर्स शोरूम पहुंचकर व्यवसायी श्याम अग्रवाल के व्यावसायिक प्रतिष्ठान में आयोजित ध्वजारोहण कार्यक्रम में भी सहभागिता की।

इसके बाद विधायक रोहित साहू के नगर पालिका परिषद राजिम पहुंचने पर पालिका अध्यक्ष महेश यादव, उपाध्यक्ष पूर्णिमा चंद्राकर एवं नगर पालिका के समस्त पार्षदगणों द्वारा उनका आत्मीय स्वागत किया गया। पुष्पगुच्छ भेंट कर विधायक का अभिनंदन किया गया। इस दौरान जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और उपस्थित नागरिकों में उत्साह का माहौल रहा। नगर पालिका परिषद राजिम में आयोजित मुख्य स्वतंत्रता दिवस समारोह में पालिका अध्यक्ष महेश यादव ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया। ध्वजारोहण के बाद सामूहिक राष्ट्रगान हुआ।

भारत की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप एक लाख करोड़ रुपए घटा

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारत की शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों का मार्केटकैप एक लाख करोड़ रुपए घट गया है। इसकी वजह घरेलू शेयर बाजार में बिकवाली होना था। बीते हफ्ते सेंसेक्स 489.92 अंक या 0.62 प्रतिशत गिरकर 78,009.25 और निफ्टी 204.65 अंक या 0.83 प्रतिशत गिरकर 24,366.00 पर बंद हुआ। शीर्ष 10 में टाटा ग्रुप की आईटी कंपनी टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को सबसे अधिक नुकसान हुआ है। इसका मार्केटकैप 34,263.28 करोड़ रुपए कम होकर 8.53 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

रिलायंस इंडस्ट्रीज के मार्केटकैप में भी इस दौरान कमी देखने को मिली है, जो कि 31,869.13 करोड़ रुपए घटकर 17.70 लाख करोड़ रुपए हो गया है। स्टेट बैंक ऑफ इंडिया (एसबीआई) का मार्केटकैप इस दौरान 25,891.88 करोड़ रुपए कम होकर 9.86 लाख करोड़ रुपए हो गया है।

एचडीएफसी बैंक का मार्केटकैप 7,165.37 करोड़ रुपए कम होकर 11.21 लाख करोड़ रुपए था। आईसीआईसीआई बैंक की वैल्यू 2,792.65 करोड़ रुपए कम होकर 10.18 लाख करोड़ रुपए हो गया है। इसके अलावा, शीर्ष 10 में से पांच कंपनियों के मार्केटकैप में करीब 55,149.45 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ है। लाइफ इंश्योरेंस कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया (एलआईसी) सबसे ज्यादा बढ़त वाली कंपनियों में शामिल रही। इसकी मार्केट वैल्यूएशन 26,438.49 करोड़ रुपए बढ़कर 5.23 लाख करोड़ रुपए हो गई। भारती एयरटेल ने भी अच्छी बढ़त दर्ज की। इसकी वैल्यूएशन में 20,592.13 करोड़ रुपए का इजाफा हुआ और यह 12.43 लाख करोड़ रुपए तक पहुंच गई।

बजाज फाइनेंस का मार्केट कैपिटलाइजेशन 3,548.79 करोड़ रुपए बढ़कर 6.77 लाख करोड़ रुपए हो गया, जबकि लार्सन एंड टुब्रो की वैल्यूएशन में 2,490.66 करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हुई और यह 5.59 लाख करोड़ रुपए हो गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर की मार्केट वैल्यू 2,079.38 करोड़ रुपए बढ़कर 4.91 लाख करोड़ रुपए हो गई।

हफ्ते के आखिर में, रिलायंस इंडस्ट्रीज भारत की सबसे अधिक वैल्यू वाली कंपनी बनी रही। इसके बाद भारती एयरटेल, एचडीएफसी बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, टीसीएस, बजाज फाइनेंस, लार्सन एंड टुब्रो, एलआईसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

अफ्रीका के होम डिलीवरी ऐप्स भारत के स्टार्टअप्स से काफी कुछ सीख सकते हैं : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। अफ्रीका के होम डिलीवरी ऐप्स फिलहाल कई शहरों में एक बड़ी समस्या का सामना कर रहे हैं। उचित पता उपलब्ध न होने के कारण वे सामान की डिलीवरी नहीं कर पा रहे हैं। ऐसे में अफ्रीकी कंपनियां भारतीय स्टार्टअप्स से सीख सकती हैं, जिन्होंने इसी समस्या का समाधान कर उपभोक्ताओं के घर तक तेज और प्रभावी डिलीवरी सिस्टम विकसित किया है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

इंडिया नैरेटिव में प्रकाशित चुक्वुडी ओकेके के आर्टिकल में कहा गया है कि नैरोबी की बस्तियां और लागोस की अनौपचारिक बस्तियां कभी पोस्टल कोड को ध्यान में रखकर विकसित नहीं की गई थीं और जल्द ही वहां पोस्टल कोड मिलने की संभावना भी नहीं है। यह समस्या कभी स्थायी बाधा जैसी लगती थी। लेकिन दुनिया के दूसरे हिस्सों में इसी समस्या का सामना कर रही कंपनियों ने लैंडमार्क, डिलीवरी हिस्ट्री और मशीन लर्निंग की मदद से इसका समाधान निकाला। समय के साथ किसी स्थान की सही पहचान करने की क्षमता बढ़ती गई और अंततः 'स्थायी पता न होना' असफल डिलीवरी का बहाना नहीं रह गया।

यह समस्या केवल अफ्रीका तक सीमित नहीं है और यही महत्वपूर्ण बात है, क्योंकि इसका मतलब है कि इसका समाधान संभव है। करीब एक दशक पहले भारत भी इसी तरह की अव्यवस्थित स्थिति से गुजर रहा था, जहां पता बताने का मतलब होता था, 'दूसरे स्पीड ब्रेकर के आगे नीले गेट के पास। आर्टिकल के अनुसार, भारत के स्टार्टअप्स ने इस अव्यवस्था से बाहर निकलने के लिए अपनी सोच में बदलाव किया। उन्होंने लॉजिस्टिक्स को पहले डेटा और भरोसे की समस्या माना और उसके बाद ट्रकों तथा गोदामों की समस्या। यही सोच में बदलाव, किसी खास ऐप से ज्यादा महत्वपूर्ण है, जिसका अध्ययन केन्या और नाइजीरिया के उद्यमियों और नीति निर्माताओं को करना चाहिए।

आर्टिकल में कहा गया है कि सरकार द्वारा पता प्रणाली को ठीक करने का इंतजार करने के बजाय लॉजिस्टिक्स स्टार्टअप्स को अपनी लोकेशन इंटेलिजेंस विकसित करनी चाहिए। उन्हें हर सफल और असफल डिलीवरी से सीखते हुए उपभोक्ता के सटीक स्थान तक पहुंचने की समस्या का समाधान करना चाहिए।

वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही में 19 सेक्टर्स के उम्मीद से अच्छे रहे नतीजे, फाइनेंशियल और मेटल सबसे आगे : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

मुंबई। भारतीय कॉरपोरेट्स के वित्त वर्ष 27 की पहली तिमाही के नतीजों में 19 सेक्टर्स का प्रदर्शन उम्मीद से अच्छा रहा है और इसमें फाइनेंशियल, मेटल्स, ऑयल एंड गैस (ऑयल मार्केटिंग कंपनियों को छोड़कर) और ऑटोमोबाइल सबसे आगे रहे हैं। यह जानकारी रविवार को जारी हुई एक रिपोर्ट में दी गई।

मोतीलाल ओसवाल द्वारा जुटाए गए आंकड़ों के अनुसार, वित्त वर्ष 2026-27 की पहली तिमाही का आय सीजन मजबूत प्रदर्शन के साथ समाप्त हुआ। प्रमुख क्षेत्रों में कंपनियों का प्रदर्शन अनुमान से बेहतर रहा। जहां कच्चे तेल की ऊंची कीमतों ने ऑयल मार्केटिंग कंपनियों (ओएमसी) पर भारी दबाव डाला। वहीं वित्तीय सेवाओं, मेटल्स, ओएमसी को छोड़कर तेल एवं गैस, टेक्नोलॉजी, टेलीकॉम, केमिकल्स, टेक्सटाइल्स और रियल एस्टेट जैसे सेक्टरों ने आय वृद्धि में सकारात्मक योगदान दिया। ओएमसी को छोड़कर मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (एमओएफएसएल) यूनिवर्स में बिक्री, ईबीआईटीडीए और टैक्स के बाद मुनाफे में सालाना आधार पर क्रमशः 18 प्रतिशत, 15 प्रतिशत और 22 प्रतिशत की वृद्धि हुई। ब्रोकरेज ने क्रमशः 15 प्रतिशत, 10 प्रतिशत और 15 प्रतिशत वृद्धि का अनुमान लगाया था।

रिपोर्ट के अनुसार, इस शानदार प्रदर्शन का मुख्य कारण बीएफएसआई, मेटल्स, ओएमसी को छोड़कर ऑयल एंड गैस, टेक्नोलॉजी और टेलीकॉम सेक्टर रहे। दूसरी ओर, ओएमसी का प्रदर्शन सबसे खराब रहा। पिछले साल इसी अवधि में 162 अरब रुपए के मुनाफे के मुकाबले उन्हें 181 अरब रुपए का नुकसान हुआ।

रिपोर्ट के मुताबिक, सीमेंट और इंटरग्लोब एविएशन ने भी कुल कमाई के प्रदर्शन पर नकारात्मक असर डाला। निफ्टी ने सालाना आधार पर कर के बाद मुनाफा में 18 प्रतिशत की बढ़ोतरी दर्ज की, जो पिछले 10 तिमाहियों में सबसे अधिक है और मोतीलाल ओसवाल के 10 प्रतिशत के अनुमान से काफी बेहतर है। मार्केट कैप के अलग-अलग वर्गों में भी आय वृद्धि अनुमान से बेहतर रही। एमओएफएसएल यूनिवर्स की लार्ज-कैप कंपनियों की आय में सालाना आधार पर 21 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि अनुमान 14 प्रतिशत का था।

मिड-कैप कंपनियों की आय में 23 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जो 11 तिमाहियों का उच्चतम स्तर है। वहीं, स्मॉल-कैप कंपनियों की आय में 31 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई, जबकि ब्रोकरेज का अनुमान 22 प्रतिशत था।

एफएसएसएआई के नोटिस के बाद खाद्य कंपनियों ने भ्रामक दावों को हटाया, लेबल और उत्पादों में किया बदलाव

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) द्वारा भ्रामक दावों, गैर-मानकीकृत उत्पादों और लेबलिंग नियमों के उल्लंघन को लेकर जारी नोटिसों के बाद कई खाद्य व्यवसाय संचालकों (एफबीओ) ने सुधारात्मक कदम उठाए हैं। यह जानकारी सरकारी एजेंसी की ओर से रविवार को दी गई।

fssai

एफएसएसएआई ने कहा, 'नोटिस के बाद प्रमुख खाद्य व्यवसाय संचालकों ने तुरंत सुधारात्मक कार्रवाई की है। इन कदमों में भ्रामक लेबल दावों को हटाने से लेकर उपभोक्ता सुरक्षा और नियमों के अनुपालन को सुनिश्चित करने के लिए उत्पादों की पैकेजिंग में बदलाव शामिल हैं।'

एफएसएसएआई ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ऑनेस्ट इनोवेशन फॉर यू प्राइवेट लिमिटेड और हेलियोस्टोन स्पेशलिटीज प्राइवेट लिमिटेड को भ्रामक ट्रेडमार्क के उपयोग के लिए नोटिस जारी किया गया था। एफएसएसएआई के नोटिस के बाद दोनों कंपनियों ने अपने उत्पादों के नाम में बदलाव किया। इसी तरह, राजस्थान एग्रो एंड जनरल इंडस्ट्रीज भी भ्रामक ट्रेडमार्क का उपयोग करती पाई गई। कंपनी ने नोटिस का पालन करते हुए सभी भ्रामक दावों को हटाया और उत्पादों से संबंधित संचार में 'पीपीएम' शब्द का इस्तेमाल बंद कर दिया।

एक अन्य मामले में, आयोटा नैनोटेक्नोलॉजी प्राइवेट लिमिटेड को गैर-मानकीकृत उत्पादों के लिए चिन्हित किया गया। कंपनी ने उत्पाद के लेबल से भ्रामक दावों को हटाया और गैर-मानकीकृत पानी का उत्पादन बंद कर दिया।

पंचामृत इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड को एक इलेक्ट्रोलाइट ड्रिंक के संबंध में नोटिस जारी किया गया था। नोटिस मिलने के बाद कंपनी ने इस उत्पाद को अपनी वेबसाइट से हटा दिया।

एफएसएसएआई ने लिव्योर वेंचर्स प्राइवेट लिमिटेड द्वारा अपने उत्पाद 'लिव्योर रोस्टेड एडामे बीन्स' के लेबल पर किए गए भ्रामक 'वीगन' और 'हेल्थी' दावों को लेकर उठाए गए सुधारात्मक कदमों का भी जिक्र किया। कंपनी ने कहा कि लागू नियमों की जानकारी के अभाव में ये दावे अनजाने में उत्पाद के लेबल पर छप गए थे। कंपनी ने इस उल्लंघन पर खेद व्यक्त करते हुए माफी मांगी और आश्वासन दिया कि भविष्य में ऐसी गलती दोबारा नहीं होगी।

कंपनी ने संशोधित लेबल भी प्रस्तुत किया और कहा कि नियमों का उल्लंघन करने वाले दावों वाली मौजूदा पैकेजिंग सामग्री को नष्ट कर दिया जाएगा।

वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों से सरकारी अनुबंधों में डब्ल्यूपीआई की जगह पीपीआई अपनाने का आग्रह किया

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। वित्त मंत्रालय ने सभी मंत्रालयों और विभागों से आग्रह किया है कि वे भविष्य के सरकारी खरीद अनुबंधों में दर वृद्धि और समायोजन संबंधी प्रावधानों के लिए मौजूदा थोक मूल्य सूचकांक (डब्ल्यूपीआई) आधारित व्यवस्था की जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) को अपनाएं।

वाणिज्य मंत्रालय ने इस साल जून से वस्तुओं और सेवाओं, दोनों के लिए मासिक पीपीआई आंकड़े जारी करना शुरू किया है, ताकि उत्पादक स्तर पर कीमतों में होने वाले बदलाव को बेहतर तरीके से दर्शाया जा सके। डब्ल्यूपीआई से पीपीआई की ओर यह बदलाव विकसित अर्थव्यवस्थाओं द्वारा अपनाई गई वैश्विक सर्वोत्तम प्रक्रियाओं और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) की सिफारिशों के अनुरूप है। आधिकारिक बयान के अनुसार,आउटपुट पीपीआई और इनपुट पीपीआई दोनों की उपलब्धता से किसी उद्योग में तैयार उत्पादों और इस्तेमाल किए जा रहे इनपुट की कीमतों में होने वाले बदलाव को बेहतर ढंग से समझने में मदद मिलती है। इससे यह भी समझने में मदद मिलती है कि इनपुट की कीमतों में उत्पादकों द्वारा झेली गई महंगाई का असर तैयार उत्पादों की कीमतों पर किस तरह पड़ता है।

वित्त मंत्रालय के व्यय विभाग ने सभी मंत्रालयों को भेजे एक पत्र में कहा, 'पीपीआई उपलब्ध होने के बाद मंत्रालयों/विभागों को भविष्य के अनुबंधों में सभी मूल्य वृद्धि संबंधी प्रावधानों में डब्ल्यूपीआई की जगह उत्पादक मूल्य सूचकांक (पीपीआई) अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। 2022-23 को आधार वर्ष मानकर डब्ल्यूपीआई महंगाई की संशोधित श्रृंखला पहली बार 15 जून को जारी की गई थी। इस नई आधार श्रृंखला ने 2011-12 को आधार वर्ष मानने वाली पिछली डब्ल्यूपीआई श्रृंखला की जगह ली है।

इसके अलावा, 2022-23 को आधार वर्ष मानते हुए नई आउटपुट पीपीआई श्रृंखला, ट्रायल इनपुट पीपीआई और सात सेवाओं के लिए सर्विस पीपीआई की नई श्रृंखला भी जारी की गई है। इन सात सेवाओं में बैंकिंग, प्रतिभूति लेनदेन, बीमा, पेंशन फंड प्रबंधन, रेलवे, हवाई यात्री सेवाएं और दूरसंचार शामिल हैं।

मूल्य वृद्धि संबंधी प्रावधानों में डब्ल्यूपीआई के व्यापक इस्तेमाल को देखते हुए संशोधित श्रृंखला जारी होने की तारीख से पांच वर्षों तक डब्ल्यूपीआई को पीपीआई के साथ जारी किया जाएगा और उसके बाद इसे बंद कर दिया जाएगा। बयान के अनुसार, इससे उपयोगकर्ताओं को डब्ल्यूपीआई से पीपीआई की ओर स्थानांतरित होने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा।

पहले चरण में सात सेवाओं के सर्विस पीपीआई को प्रशासनिक स्रोतों से उपलब्ध आंकड़ों के आधार पर तैयार किया गया है। आंकड़ों की उपलब्धता के आधार पर अगले चरणों में सर्विस पीपीआई की सूची में और सेवाओं को शामिल करने की योजना है।

केंद्र ने रिफाइनरियों और उत्पादकों के लिए एलपीजी उत्पादन लक्ष्य तय किए, आपूर्ति संबंधी जोखिम को कम करने में मिलेगी मदद

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारत की ऊर्जा सुरक्षा मजबूत करने और आयातित रसोई गैस की आपूर्ति में होने वाले व्यवधानों के प्रभाव को कम करने के उद्देश्य से सरकार ने पहली बार सार्वजनिक और निजी क्षेत्र की रिफाइनरियों के साथ-साथ तेल एवं गैस उत्पादकों के लिए रिफाइनरी-वार और कंपनी-वार एलपीजी उत्पादन लक्ष्य तय किए हैं।

पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय ने एक आदेश के जरिए ऐसा ढांचा तैयार किया है, जिसके तहत आपूर्ति में कमी आने पर 21 रिफाइनरियों और अपस्ट्रीम कंपनियों को एलपीजी उत्पादन बढ़ाना होगा। नए ढांचे के तहत कुल संभावित उत्पादन क्षमता 63,810 टन प्रतिदिन तय की गई है। यह भारत की दैनिक एलपीजी खपत का लगभग 70 प्रतिशत है और देश के सामान्य घरेलू उत्पादन से काफी अधिक है।

यह कदम हालिया पश्चिम एशिया संघर्ष के बाद उठाया गया है, जिसने आयातित एलपीजी आपूर्ति पर भारत की निर्भरता और उससे जुड़े जोखिमों को उजागर किया।

भारत में हर साल लगभग 3.32 करोड़ टन (करीब 91,000 टन प्रतिदिन) एलपीजी की खपत होती है।

इसमें से केवल 1.31 करोड़ टन एलपीजी का उत्पादन देश में होता है, जबकि जरूरत का 64 प्रतिशत से अधिक हिस्सा आयात से पूरा किया जाता है। इनमें से अधिकांश एलपीजी की आपूर्ति होर्मुज स्ट्रेट के रास्ते होती है। इस साल की शुरुआत में ईरान से जुड़े संकट के दौरान इस रणनीतिक समुद्री मार्ग से शिपमेंट में व्यवधान के कारण सरकार को आपातकालीन कदम उठाने पड़े थे। इनमें रिफाइनरियों को पेट्रोकेमिकल फीडस्टॉक की धाराओं को एलपीजी उत्पादन की ओर मोड़कर उत्पादन अधिकतम करने का निर्देश देना भी शामिल था।

औद्योगिक और वाणिज्यिक उपभोक्ताओं को एलपीजी की आपूर्ति भी सीमित की गई थी, जबकि जहां सुविधा उपलब्ध थी, वहां घरेलू उपभोक्ताओं को पाइप्ड नेचुरल गैस (पीएनजी) की ओर जाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। संकट के चरम पर घरेलू एलपीजी उत्पादन बढ़ाकर लगभग 55,000 टन प्रतिदिन कर दिया गया था। हालांकि, आपूर्ति की स्थिति में सुधार होने के बाद इन आपातकालीन निर्देशों में धीरे-धीरे ढील दे दी गई।

आरबीआई ब्याज दरों पर फैसले को लेकर 'वेट एंड वॉच' मोड में, मध्य पूर्व तनाव बड़ा जोखिम : रिपोर्ट

विश्व केसरी ■

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) नीतिगत दरों (ब्याज दरों) पर फैसले को लेकर 'वेट एंड वॉच' मोड में बना हुआ है और मध्य पूर्व तनाव के समाधान को लेकर बनी हुई अनिश्चितता मैन्युफैक्चरिंग इनपुट लागत के लिए एक बड़ा जोखिम बनी हुई है। यह जानकारी एक रिपोर्ट में दी गई।

यस बैंक की ओर से जारी रिपोर्ट में कहा गया कि फिलहाल आरबीआई आपूर्ति पक्ष से आ रहे महंगाई के दबाव को नजरअंदाज कर 'वेट एंड वॉच' मोड में बना हुआ है। हालांकि, इसमें लगातार इजाफा हो रहा है, जो दिखाता है कि आपूर्ति पक्ष में हाल में आया झटका पूरी तरह से उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा है। इससे आने वाले समय में ब्याज दरें बढ़ने की संभावना शून्य नहीं होती है।

यस बैंक ने अपने नोट में अनुमान जताया है कि थोक महंगाई दर इस साल 9 प्रतिशत और खुदरा महंगाई दर 4.8 प्रतिशत रहने की उम्मीद है। खुदरा और थोक महंगाई के बीच अंतर बना हुआ है, इसलिए थोक से खुदरा तक महंगाई के असर पास होने की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता।

हालांकि, नोट में कहा गया, 'हमें लगता है कि सरकार तेल कंपनियों के अंडर-रिकवरी का बोझ पेट्रोल और डीजल की पंप कीमतों पर डालने से हिचकिचाएगी।'

जुलाई के लिए मुख्य थोक महंगाई सालाना आधार पर 9.8 प्रतिशत रही, जो उम्मीदों (9.75 प्रतिशत) के अनुरूप है और जून के 9.9 प्रतिशत के मुकाबले इसमें थोड़ी कमी आई है।

यस बैंक ने अपने नोट में कहा, 'हालांकि इनपुट कीमतों को लेकर चिंताएं कुछ कम हुई हैं, लेकिन अहम मुद्दा यह है कि क्या यह स्थिति बनी रहेगी, क्योंकि वेस्ट एशिया संकट के समाधान को लेकर अनिश्चितता है। हम थोक से रिटेल तक महंगाई के असर का अंदाजा लगने का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही, मुख्य खुदरा महंगाई बढ़ने की उम्मीदों के बावजूद, हम अपनी इस राय पर कायम हैं कि आरबीआई को 'इंतजार करो और देखो' की नीति अपनानी चाहिए और ब्याज दरों में बदलाव को टालना चाहिए।'

सूखी खांसी में तुलसी नहीं, दादी का ये पुराना नुस्खा आएगा काम, बनाएं इस काढ़े की रेसिपी

सूखी खांसी और गले की खराश में दादी-नानी के समय से मुलेठी, सौंफ और अजवाइन का इस्तेमाल किया जाता रहा है. जानिए इस पुराने देसी नुस्खे से काढ़ा बनाने का आसान तरीका और किन लोगों को मुलेठी के सेवन में सावधानी बरतनी चाहिए.

मौसम बदलते ही गले में खराश और सूखी खांसी की समस्या परेशान करने लगती है. ऐसी खांसी में बलगम नहीं निकलता, लेकिन बार-बार गले में खुजली या ह्वह्ल्ह्व-ह्लड्ढह्लह्वश्ठ्ठ महसूस होती रहती है. खासकर रात में यह परेशानी नींद खराब कर सकती है. ऐसे में दादी-नानी के समय से कई घरों में मुलेठी, सौंफ और अजवाइन जैसी चीजों से गर्म पेय तैयार किया जाता रहा है. यह कोई इलाज नहीं है, लेकिन गर्म पेय और मुलेठी जैसे ingredients गले को कुछ समय के लिए soothing महसूस करा सकते हैं.

इस काढ़े में इस्तेमाल होने वाली मुलेठी को भारतीय पारंपरिक खान-पान और घरेलू नुस्खों में लंबे समय से इस्तेमाल किया जाता रहा है. इसका स्वाद हल्का मीठा होता है और इसे गले की खराश में आराम देने वाले ingredient के तौर पर जाना जाता है.

वहीं सौंफ का स्वाद हल्का और aromatic होता है, जबकि अजवाइन का इस्तेमाल पारंपरिक तौर पर कई घरेलू नुस्खों में किया जाता है. इन तीनों को पानी में उबालकर तैयार किया गया पेय गले के लिए गर्म और soothing महसूस हो सकता है.

इसके लिए एक कप पानी लें और उसमें मुलेठी का छोटा टुकड़ा, आधा चम्मच सौंफ और एक चुटकी अजवाइन डालें. इसे धीमी आंच पर करीब 5-7 मिनट तक उबालें. जब पानी थोड़ा कम होकर लगभग तीन-चौथाई कप रह जाए तो गैस बंद कर दें. अब इसे छानकर हल्का गुनगुना होने दें. स्वाद के लिए चाहें तो थोड़ी मात्रा में शहद मिलाया जा सकता है. इसे बहुत गर्म अवस्था में न पिएं. धीरे-धीरे छोटे घूंट लेकर पीना बेहतर रहेगा.

कब पीना बेहतर है?

गले में खुजली या हल्की सूखी खांसी होने पर इसे गुनगुना पिया जा सकता है. खासकर रात में सोने से पहले गर्म पेय गले को आरामदायक महसूस करा सकता है. हालांकि इसे बार-बार या बहुत ज्यादा मात्रा में लेने की जरूरत नहीं है. यह भी समझना जरूरी है कि सूखी खांसी के कई कारण हो सकते हैं. एलर्जी, धूल-धुआं, वायरल संक्रमण, एसिड रिफ्लक्स या मौसम में बदलाव इसकी वजह हो सकते हैं।

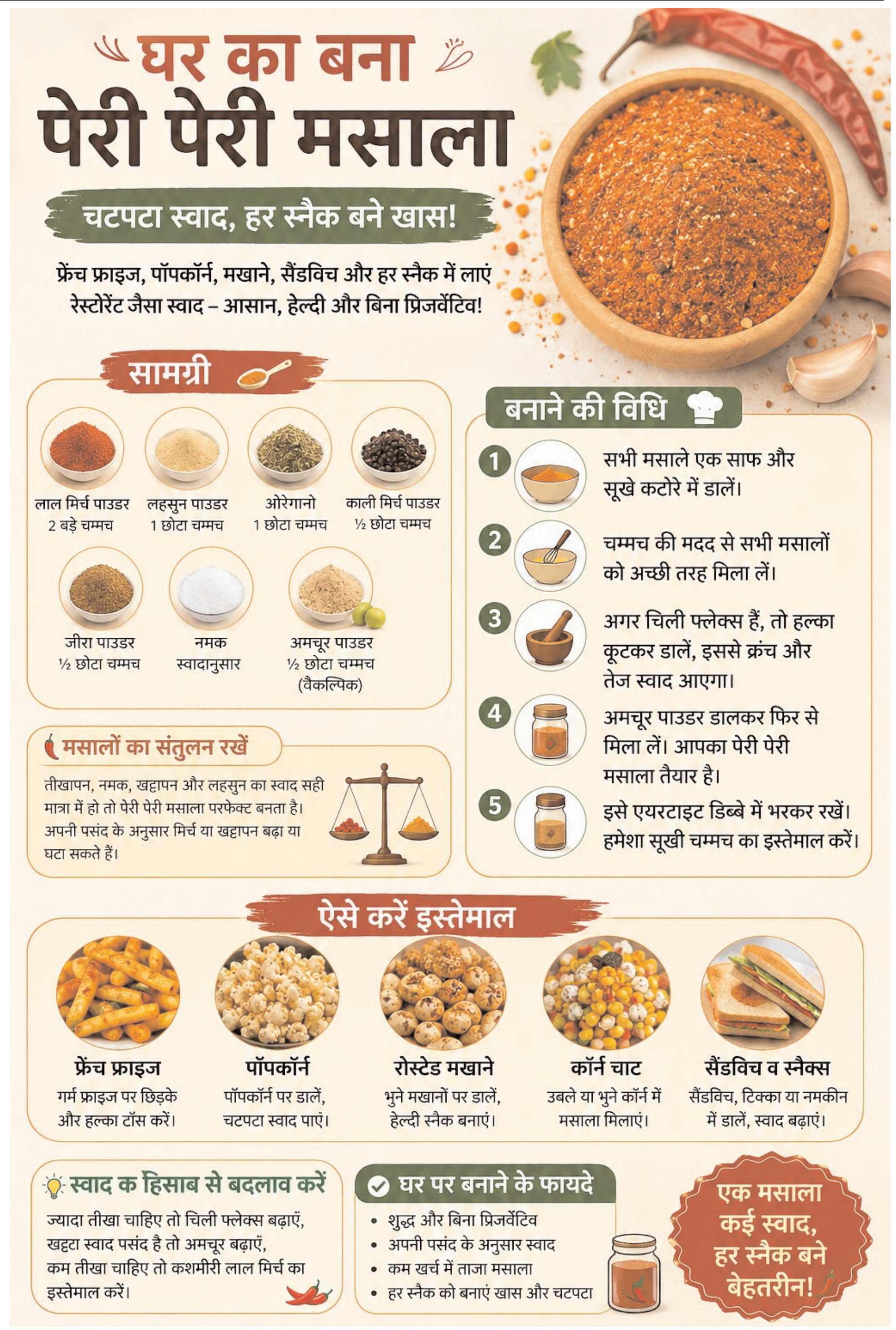

बाजार से फ्रेश फली सब्जी खरीदते वक्त रखें इन बातों का ख्याल, जानिये इनके फायदे

ताजी फली वाली सब्जियां खरीदने के लिए रंग, बनावट और तोड़ने पर आवाज पर ध्यान दें. चमकीली हरी, चिकनी और आसानी से टूटने वाली फली चुनें. फ्रेंच बीन्स, ग्वार फली, मटर, बरबटी और सेम पोषक तत्वों से भरपूर होती

हरी और ताजी फली वाली सब्जियां भारतीय रसोई का अहम हिस्सा हैं. सेम, बरबटी, ग्वार फली, मटर और फ्रेंच बीन्स जैसी सब्जियां न केवल स्वाद बढ़ाती हैं, बल्कि शरीर को जरूरी पोषक तत्व भी प्रदान करती हैं. हालांकि बाजार में खरीदारी करते समय सही और ताजी फली की पहचान करना जरूरी होता है, ताकि आपको बेहतर स्वाद और पूरा पोषण मिल सके.

ताजी फली की पहचान कैसे करें?

सबसे पहले फली के रंग पर ध्यान दें. ताजी फली का रंग चमकीला हरा होता है. यदि फली पीली पड़ रही हो, उस पर काले धब्बे दिखाई दें या वह मुरझाई हुई लगे, तो उसे खरीदने से बचें.

फली को हल्का मोड़कर भी उसकी ताजगी जांची जा सकती है. ताजी फली आसानी से टूट जाती है और टूटने पर चटकने जैसी आवाज आती है. वहीं पुरानी फली ज्यादा लचीली या रेशेदार महसूस होती है.

इसके अलावा फली की सतह चिकनी और सख्त होनी चाहिए. बहुत अधिक नरम, सिकुड़ी हुई या झुर्रियों वाली फलियां अक्सर बासी होती हैं. यदि फली के अंदर दाने जरूरत से ज्यादा उभरे हुए दिखाई दें, तो समझ लें कि वह अधिक परिपक्व हो चुकी है और पकाने पर स्वाद में उतनी अच्छी नहीं लगेगी।

दिल्ली-एनसीआर से थोड़ी दूर...लीजिए हिमाचल-उत्तराखंड वाला मजा, पहाड़ियों के बीच बहता झरना कर देगा दिल खुश

फरीदाबाद में अरावली की पहाड़ियों के बीच छिपी एक ऐसी जगह है, जहां सावन में पहुंचते ही नजारा पूरी तरह बदल जाता है. बारिश होते ही पहाड़ियों से पानी बहने लगता है, चारों तरफ हरियाली छा जाती है और झरनों की आवाज के बीच ऐसा माहौल बनता है, जैसे आप किसी पहाड़ी राज्य में आ गए हों. खास बात यह है कि यह जगह सिर्फ प्राकृतिक खूबसूरती के लिए ही नहीं, बल्कि पौराणिक मान्यताओं और धार्मिक आस्था के कारण भी खास मानी जाती है. यहां प्राचीन गुफा, मंदिर और स्थानीय लोगों से जुड़ी कई रोचक मान्यताएं इस जगह को और खास बनाती हैं.

सावन में बारिश होते ही झरना मंदिर की खूबसूरती और भी बढ़ जाती है. अरावली की पहाड़ियों से बहता पानी छोटे-छोटे झरनों का रूप ले लेता है. चारों तरफ हरियाली दिखाई देती है और ठंडी हवा मन को सुकून देती है. यहां पहुंचने के बाद कुछ देर प्रकृति के बीच बैठने का मन करता है. आसपास का माहौल इतना शांत रहता है कि कुछ समय के लिए शहर की भागदौड़ भी याद नहीं रहती. खासकर बारिश के दिनों में यह जगह घूमने आने वाले लोगों को खूब पसंद आती है.

सावन में जब बारिश होती है तो झरना मंदिर की खूबसूरती और ज्यादा बढ़ जाती है. अरावली की पहाड़ियों से निकलता पानी छोटे छोटे झरनों का रूप ले लेता है. चारों तरफ हरियाली दिखाई देती है और ठंडी हवा मन को काफी सुकून देती है. यहां पहुंचकर कुछ देर बैठने का मन करता है. आसपास का माहौल इतना शांत रहता है कि शहर की भागदौड़ याद ही नहीं रहती. खासकर बारिश के दिनों में यह जगह घूमने वालों को खूब पसंद आती है.

झरना मंदिर की सबसे खास बात यहां का प्राकृतिक माहौल है. बारिश के बाद पहाड़ियों से बहता पानी और चारों तरफ फैली हरियाली देखकर आपको हिमाचल या उत्तराखंड की याद आ सकती है. फर्क बस इतना है कि ऐसे नजारे देखने के लिए आपको फरीदाबाद से बहुत दूर जाने की जरूरत नहीं है. दिल्ली-एनसीआर में रहने वाले लोगों के लिए यह जगह घूमने का अच्छा विकल्प हो सकती है. यहां परिवार और दोस्तों के साथ प्रकृति के बीच कुछ समय बिताया जा सकता है. पहाड़ियों और हरियाली के बीच यहां का शांत माहौल लोगों को काफी पसंद आता है.

स्थानीय लोगों के मुताबिक, मोहब्बताबाद में मौजूद यह झरना महाभारत काल से जुड़ा हुआ है. मान्यता है कि जब पांडवों ने इंद्रप्रस्थ शहर बसाया था, तब उन्होंने अरावली की इन पहाड़ियों पर तप किया था. लोगों का कहना है कि उनके तप से यहां कई झरने प्रकट हुए थे. उन्हीं झरनों में से एक झरना मोहब्बताबाद में भी मौजूद है. हालांकि यह स्थानीय मान्यता है, लेकिन आसपास के गांवों में इस जगह को लेकर लोगों की गहरी आस्था है. श्रद्धालु यहां पहुंचकर मंदिर में दर्शन और पूजा करते हैं.

झरना मंदिर को लेकर एक और मान्यता उदयालक मुनि से जुड़ी हुई है. स्थानीय लोगों का कहना है कि यह जगह कभी उनकी तपोभूमि हुआ करती थी।

रक्षाबंधन पर घर में बनाएं हलवाई जैसे सॉफ्ट और स्पंजी रसगुल्ले, प्रेशर कुकर में सिर्फ 2 सीटी में होंगे तैयार, जानिए आसान तरीका

रक्षाबंधन पर बाजार से मिठाई लाने के बजाय घर पर सॉफ्ट और स्पंजी रसगुल्ले बनाए जा सकते हैं. अच्छे रसगुल्ले बनाने के लिए छेने में नमी का सही संतुलन रखना सबसे जरूरी है. छेने को अच्छी तरह मसलने से वह चिकना होता है और रसगुल्लों की बनावट बेहतर बनती है. लोइयां बनाते समय उनमें दरार नहीं होनी चाहिए, वरना पकाते समय रसगुल्ले टूट सकते हैं. उबलती चाशनी में डालने के बाद रसगुल्लों को प्रेशर कुकर में 2 सीटी तक पकाया जा सकता है. कुकर का प्रेशर अपने आप निकलने देने के बाद रसगुल्लों को ठंडा करके चाशनी के साथ सर्व करें.

रक्षाबंधन का त्योहार आते ही घर में मिठाइयों की खुशबू और भाई-बहन की मुलाकात का उत्साह बढ़ जाता है. मिठाई की दुकान पर जाते ही रसगुल्लों से भरा डिब्बा नजर आ जाए तो उसे देखकर मन ललचा ही जाता है. सफेद, मुलायम और चाशनी में डूबे रसगुल्ले आखिर किसे पसंद नहीं होते? मगर बाजार की मिठाई खरीदने के बजाय अगर इस बार घर पर ही हलवाई जैसे रसगुल्ले बन जाएं तो बात ही अलग है. खासकर तब, जब तरीका बहुत मुश्किल न हो.

दरअसल, घर पर रसगुल्ले बनाते समय सबसे बड़ी परेशानी छेना सही तैयार करने और रसगुल्लों को स्पंजी रखने की होती है. कई बार गेंदें पकते ही टूट जाती हैं या फिर इतनी सख्त हो जाती हैं कि चाशनी में डूबे होने के बावजूद बाजार जैसा स्वाद नहीं आता. लेकिन छेने की नमी, उसकी अच्छी तरह मसलने की प्रक्रिया और पकाने के सही तरीके पर ध्यान दिया जाए तो यह मिठाई घर में भी अच्छी बन सकती है. यहां जानिए प्रेशर कुकर में रसगुल्ले बनाने का आसान तरीका।

बच्चों को हर सुविधा देना सही या गलत? प्रेटिंग पर छिड़ी बहस में सामने आई आजकल के माता-पिता की सोच

आज के समय में कई माता-पिता की सोच है कि अगर वे अपने बच्चों को बेहतर जिंदगी दे सकते हैं, तो उन्हें किसी चीज की कमी क्यों महसूस होने दें. अच्छी शिक्षा, महंगे गैजेट्स, ब्रांडेड कपड़े, शानदार छुट्टियां और हर जरूरत से पहले पूरी होती इच्छा – कई परिवारों में बच्चों को ये सुविधाएं आसानी से मिल जाती हैं. लेकिन सवाल यह है कि क्या बच्चों को हर सुख-सुविधा देना उनकी परवरिश के लिए सही है?

दूसरी तरफ कुछ माता-पिता जानबूझकर बच्चों को हर सुविधा तुरंत नहीं देते. वे चाहते हैं कि बच्चे पैसे की कीमत समझें, इंतजार करना सीखें और यह महसूस करें कि हर चीज सिर्फ इसलिए नहीं मिलती क्योंकि परिवार उसे खरीद सकता है. हालांकि, इस तरीके के भी फायदे और नुकसान दोनों हैं. आइए समझते हैं परवरिश के लिहाज से...

कई parenting e&perts और माता-पिता का मानना है कि बच्चों को सुविधाओं से पूरी तरह दूर रखने की जरूरत नहीं, लेकिन हर इच्छा तुरंत पूरी करना भी सही तरीका नहीं है. अगर परिवार आर्थिक रूप से सक्षम है, तब भी बच्चे को हर lu&ury देना जरूरी नहीं. कभी Economy Class में सफर करना, basic phone इस्तेमाल करना या किसी महंगी चीज के लिए इंतजार करना बच्चों को जिंदगी की वास्तविकता समझाने में मदद कर सकता है.

1. पैसे की कीमत समझ आती है

अगर बच्चे को हर मांग पर नया खिलौना, फोन या महंगी चीज मिल जाती है, तो उसके लिए इन चीजों की कीमत समझना मुश्किल हो सकता है. सीमित सुविधाएं बच्चों को यह समझने में मदद कर सकती हैं कि पैसे का इस्तेमाल सोच-समझकर करना चाहिए.

2. इंतजार और धैर्य सीखते हैं

हर इच्छा तुरंत पूरी न होने पर बच्चे धीरे-धीरे patience सीखते हैं. उन्हें समझ आता है कि कुछ चीजों के लिए इंतजार करना पड़ता है और हर चाहत जरूरत नहीं होती.

3. Entitlement की भावना कम हो सकती है

जब बच्चों को यह समझाया जाता है कि सुविधा अधिकार नहीं बल्कि एक choice है, तो उनमें हर चीज को अपना हक समझने की आदत कम हो सकती है. इससे वे भविष्य में अपनी जरूरतों और इच्छाओं के बीच अंतर करना सीख सकते हैं.

4. जिम्मेदारी की भावना बढ़ती है

Pocket money को सीमित रखना या बच्चों को छोटे financial decisions में शामिल करना उन्हें budgetinद्द और जिम्मेदारी का शुरुआती अनुभव दे सकता है.

बच्चों को भरपूर आजादी देने के फायदे

खुद फैसले लेना सीखते हैं बच्चे

जब माता-पिता हर फैसला खुद लेने के बजाय बच्चों को भी छोटी-छोटी चीजों में चुनाव करने देते हैं, तो उनमें decision-making skills विकसित होती हैं. जैसे कौन सा खेल खेलना है, अपना खाली समय कैसे बिताना है या pocket money का इस्तेमाल कहां करना है. ऐसे छोटे फैसले आगे चलकर बड़े फैसले लेने का आत्मविश्वास देते हैं.

गलतियों से सीखने का मौका मिलता है

Parenting में सबसे जरूरी चीजों में से एक है बच्चों को हर गलती से बचाने की कोशिश न करना. अगर बच्चा किसी छोटे फैसले में गलती करता है और उसके परिणाम गंभीर नहीं हैं, तो उसे अनुभव से सीखने देना बेहतर हो सकता है. इससे वह समझता है कि हर फैसले की जिम्मेदारी भी खुद उठानी पड़ती है।

तेजस्वी प्रकाश से पुराने मतभेद पर सुरभि चंदना बोलीं, गलतफहमियों को लंबा नहीं खींचना चाहिए

मुंबई | फिल्म संवाददाता

टीवी की दुनिया में सुरभि चंदना और तेजस्वी प्रकाश दोनों ही जाना-पहचाना नाम हैं। दोनों अभिनेत्रियों के बीच कुछ समय पहले एक विवाद की खबरों ने खूब ध्यान खींचा था. अब सुरभि ने पहली बार इस पुराने मतभेद और तेजस्वी के साथ अपने रिश्ते को लेकर कुछ खुलकर बातें की। आईएएनएस से खास बातचीत में अभिनेत्री ने बताया कि हमारी दोस्ती काफी पुरानी हैं। इंडस्ट्री में रिश्तों में उतार-चढ़ाव आना स्वाभाविक हैं, लेकिन ज़रूरी यह है कि लोग बात करके चीजों को सुलझाएं और आगे बढ़ें।

"इंडस्ट्री के लोग अक्सर अच्छे माहौल, स्वस्थ कामकाज और वर्क एथिक्स की बात करते हैं। इन बातों को सिर्फ कहने तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि कलाकारों को वास्तव में एक-दूसरे के साथ मिलकर काम करना चाहिए और एक-दूसरे की उपलाधियों की सराहना भी करनी चाहिए।

अपने प्रोडक्शन डेब्यू का उदाहरण देते हुए कही ये बात

आईएएनएस से बात करते हुए सुरभि ने अपनी प्रोडक्शन डेब्यू सीरीज 'इश्क दम और इडली रसम' का उदाहरण देते हुए बताया कि उनके कई पुराने को-स्टार्न्स इस प्रोजेक्ट का हिस्सा बने हैं। इन कलाकारों के साथ मेरा रिश्ता सिर्फ काम तक सीमित नहीं हैं, बल्कि सालों पुरानी दोस्ती भी हैं। जब मैंने अपना शो के लिए पुराने दोस्तों को खुद फोन किया और उनसे इसमें काम करने के लिए कहा, तो वह तुरंत राजी हो गए।

मतभेद होना बड़ी बात नहीं, लंबा खींचना सही नहीं

सुरभि ने कहा, "काम के दौरान रिश्तों में कभी-कभी उतार-चढ़ाव आते रहते हैं। कलाकारों के बीच किसी बात को लेकर गलतफहमी या मतभेद होना कोई बड़ी बात नहीं है, लेकिन उसे लंबे समय तक बनाए रखना सही नहीं है।"

तेजस्वी के साथ अब भी बना हुआ है रिश्ता

सुरभि ने कहा, "तेजस्वी के साथ मेरा रिश्ता अब भी बना हुआ हैं। मैं तेजस्वी की बर्थडे पार्टी में शामिल हुई थी। वह भी मेरे शो की सक्सेस पार्टी में आई थीं। हम दोनों एक-दूसरे को काफी लंबे समय से जानती हैं। हमारा रिश्ता उस समय से है, जब तेजस्वी ने ज्यादा शोज नहीं किए थे। हमारे पास एक-दूसरे के नंबर हैं और हम इंस्टाग्राम पर भी एक-दूसरे को फॉलो करते हैं।"

फरवरी में हुआ था विवाद

इस साल फरवरी में वेब सीरीज 'साइको सैयां' के प्रमोशन के दौरान सुरभि और तेजस्वी के बीच विवाद सामने आया था। रिपोर्ट्स के मुताबिक, तेजस्वी ने सुरभि के साथ इंटरव्यू देने से इनकार कर दिया था। इस दौरान सुरभि भावुक होकर वहां से चली गई थीं, हालांकि तेजस्वी ने ऐसा फैसला क्यों लिया था, इसकी सही वजह अब तक साफ नहीं हुई हैं।

विमल इलायची के विज्ञापन पर फंसे शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ, महाराष्ट्र एफडीए ने भेजा नोटिस

विश्व केसरी

मुंबई । बॉलीवुड अभिनेता शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ मुश्किल में घिरते नजर आ रहे हैं। महाराष्ट्र खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने तीनों अभिनेताओं को विमल इलायची के विज्ञापन को लेकर कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

एफडीए का आरोप है कि यह विज्ञापन सीधे तौर पर भले ही इलायची का प्रचार करता दिखाई देता हो, लेकिन इसके जरिए विमल पान मसाला ब्रांड का अप्रत्यक्ष या सरोगेट विज्ञापन किया जा रहा है। महाराष्ट्र में पान मसाला पर फिलहाल प्रतिबंध है, जिसके चलते राज्य एफडीए ने इस विज्ञापन को गंभीरता से लिया है।

रिपोर्ट के मुताबिक, एफडीए ने अजय देवगन को उनके जुहू स्थित घर पर और शाहरुख खान को बांद्रा स्थित उनके घर मन्नत पर नोटिस पहुंचाया। वहीं, टाइगर श्रॉफ को नोटिस उनकी प्रोडक्शन कंपनी टाइगर श्रॉफ प्रोडक्शंस एलएलपी के जरिए दिया गया है। नोटिस में तीनों से विज्ञापन में उनकी भूमिका को लेकर जवाब मांगा गया है।

एफडीए का कहना है कि विमल ब्रांड मुख्य रूप से पान मसाला से जुड़ा हुआ है और महाराष्ट्र में इसके निर्माण, भंडारण, परिवहन, वितरण और बिक्री पर रोक लगी हुई है। यह प्रतिबंध 13 जुलाई 2026 को महाराष्ट्र के खाद्य सुरक्षा आयुक्त की ओर से जारी आदेश के तहत लगाया गया है और इसकी अवधि एक साल की है।

इस कार्रवाई में एफडीए ने फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स (एफएसएस) एक्ट, 2006 की धारा 24 का भी हवाला दिया है। यह धारा खाद्य उत्पादों से जुड़े ऐसे विज्ञापनों पर रोक लगाती है, जो भ्रामक या धोखा देने वाले हो सकते हैं। इसके अलावा, नोटिस में इसी कानून की धारा 53 का भी जिक्र किया गया है।

इस धारा के तहत भ्रामक खाद्य विज्ञापन के प्रकाशन या प्रचार से जुड़े लोगों पर 10 लाख रुपए तक का जुर्माना लगाया जा सकता है।

शाहरुख खान, अजय देवगन और टाइगर श्रॉफ को भेजे गए ये नोटिस महाराष्ट्र एफडीए की बड़ी कार्रवाई का हिस्सा हैं। राज्य में खाद्य सुरक्षा नियमों के उल्लंघन के खिलाफ विभाग ने हाल के दिनों में अपना अभियान तेज किया है। खास तौर पर गुटखा और तंबाकू या निकोटीन वाले प्रतिबंधित पान मसाला उत्पादों के निर्माण और बिक्री पर नजर रखी जा रही है।

इसके अलावा एफडीए खाद्य और दूध में मिलावट, स्कूलों के आसपास अस्वास्थ्यकर खाद्य पदार्थों की बिक्री और प्रतिबंधित खाद्य उत्पादों के निर्माण एवं वितरण जैसे मामलों में भी कार्रवाई कर रहा है।

मां बनने से पहले सामंथा रुथ प्रभु ने लिया नया जिम्मा, 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' को करेंगी होस्ट

मुंबई। भारतीय अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु इन दिनों अपनी जिंदगी के बेहद खास दौर से गुजर रही हैं। वह जल्द ही मां बनने वाली है, लेकिन इन दिनों वह एक नए प्रोजेक्ट की तैयारी में जुटी हुई हैं। उन्हें कुकिंग रियलिटी शो 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' को होस्ट करने के लिए चुना गया है।

यह शो सामंथा के लिए इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें वह अपने अब तक के काम से बिल्कुल अलग भूमिका में नजर आएंगी। शो में तमिल फिल्म इंडस्ट्री के कई जाने-पहचाने सितारे किचन में खाना बनाते और एक-दूसरे को चुनौती देते दिखाई देंगे।

अपने इस नए प्रोजेक्ट को लेकर सामंथा काफी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा, ''मैं इस शो के बारे में दर्शकों को बताने का लंबे समय से इंतजार कर रही थी। 'सेलिब्रिटी मास्टरशेफ तमिल' जैसे प्रोजेक्ट को मैंने पहले कभी नहीं किया और यही बात मुझे इसकी तरफ खींच लाई।''

सामंथा ने शो के बहाने खाने से जुड़ी अपनी सोच भी साझा की। उन्होंने कहा, ''खाना सिर्फ भूख मिटाने का जरिया नहीं है, बल्कि यह लोगों को करीब लाने और उनके साथ यादें बनाने का एक शानदार तरीका भी है। खाना बनाते समय किसी व्यक्ति का ऐसा पक्ष सामने आ सकता है, जिसे आमतौर पर कैमरे के सामने देखने का मौका नहीं मिलता।''

सामंथा को शो में आने वाले तमिल सितारों को किचन में अलग-अलग चुनौतियों से गुजरते देखने का भी खासा इंतजार है। सामंथा ने कहा, ''मैं देखना चाहती हूं कि इंडस्ट्री के पसंदीदा कलाकार जब खाना बनाने की जिम्मेदारी संभालेंगे तो किस तरह जोखिम उठाएंगे और गलतियों से सीखेंगे।

ट्रोलिंग को अब दिल पर नहीं लेतीं, सफलता की कहानी का हिस्सा मानती हूं : नीति टेलर

विश्व केसरी

मुंबई। 'कैसी ये यारियां' से घर-घर में पहचान बनाने वाली अभिनेत्री नीति टेलर हाल ही में रियलिटी शो 'एलायंस' में नजर आई थीं। इस शो में उनके सफर के दौरान जहां कई भावुक पल देखने को मिले, वहीं कुछ रिश्तों ने भी खूब ध्यान खींचा। शो से जुड़े अनुभवों और अपनी निजी सोच को लेकर नीति ने मीडिया से खास बातचीत की।

इस दौरान उन्होंने ऑनलाइन ट्रोलिंग को लेकर भी अपनी राय रखी और बताया कि समय के साथ इस मामले में उनका नजरिया काफी बदल गया है।

नीति ने कहा, ''अब मैं सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग को पहले की तरह दिल पर नहीं लेतीं। ट्रोल होने के पीछे एक मैसेज होता है कि लोग आपको देख रहे हैं और आपके बारे में बात कर रहे हैं। मैंने अब नकारात्मक टिप्पणियों पर ध्यान देने के बजाय अपने काम और उन लोगों पर फोकस करना शुरू कर दिया है, जो सपोर्ट करते हैं।''

ट्रोलिंग को लेकर अपने अनुभव साझा करते हुए नीति ने कहा, ''ये सिर्फ कंप्यूटर और फोन के पीछे छिपे चेहरे हैं, जिन्हें दूसरों को खुश देखना पसंद नहीं है, क्योंकि उनकी अपनी जिंदगी ठीक नहीं चल रही होती। ऐसे लोगों की बातों को अपने ऊपर हावी होने देना सही नहीं है। अगर आप पब्लिक फिगर है, तो आपकी लाइफ में इस तरह की चीजों का होना एक तरह से सामान्य बात है और हर कमेंट का जवाब देना जरूरी नहीं होता।''

नीति ने ट्रोलिंग को सफलता से भी जोड़कर देखा। उन्होंने कहा, ''मुझे यह भी लगता है कि ट्रोलिंग आपकी सफलता की कहानी का एक हिस्सा है। जब लोग आपके बारे में बात करते हैं और आपकी मौजूदगी पर प्रतिक्रिया देते हैं, तो इसका मतलब यह भी हो सकता है कि आप लोगों की नजर में हैं। इसलिए अब मैं ट्रोलिंग को लेकर ज्यादा परेशान नहीं होती और इसे अपनी जिंदगी का एक हिस्सा मानकर आगे बढ़ती हूं।''

बात अगर 'एलायंस' में उनके सफर की करें, तो उन्हें कई भावनात्मक उतार-चढ़ाव से गुजरना पड़ा, लेकिन इसी दौरान दोस्त भी बने, जिनकी शुरुआत की उम्मीद शायद किसी ने नहीं की थी। इनमें सबसे ज्यादा चर्चा नीति और अभिनेता कुशाल टंडन की दोस्ती की हुई।

एफडब्ल्यूआईसीई का बैन हटने के बाद रणवीर सिंह ने शुरू की 'प्रलय' की शूटिंग, जॉम्बी एपोकैलिप्स थ्रिलर है फिल्म

विश्व केसरी

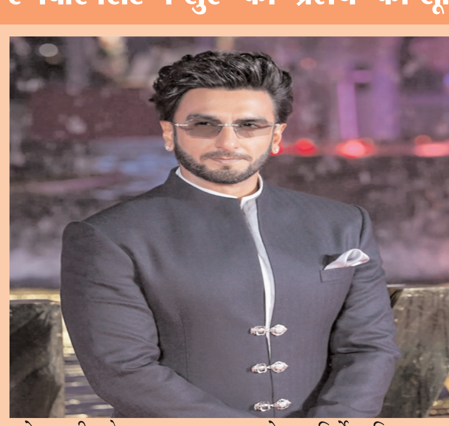

मुंबई। अभिनेता रणवीर सिंह ने अपनी अगली फिल्म 'प्रलय' की तैयारियों में जुटे हुए हैं। उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग मुंबई में शुरू कर दी है। खास बात यह है कि 'प्रलय' रणवीर का पहला प्रोजेक्ट है, जिस पर उन्होंने फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्प्लॉई (एफडब्ल्यूआईसीई) की ओर से लगाए गए प्रतिबंध के हटने के बाद काम शुरू किया है।

फिल्म को लेकर इसलिए भी उत्सुकता है, क्योंकि इसमें रणवीर पहली बार जॉम्बी एपोकैलिप्स थ्रिलर जैसे अलग विषय में नजर आने वाले हैं।

बता दें कि, रणवीर सिंह पर इसी साल मई में एफडब्ल्यूआईसीई ने नॉन-कोऑपरेशन डायरेक्टिव जारी किया था। यह कार्रवाई फरहान अख्तर की फिल्म 'डॉन 3' से उनके अचानक बाहर होने के बाद की गई थी। एफडब्ल्यूआईसीई के इस फैसले के बाद फिल्म इंडस्ट्री से जुड़े 4 लाख से ज्यादा कर्मचारियों को रणवीर के साथ काम न करने का निर्देश दिया गया था, जिसके चलते अभिनेता काफी सुर्खियों में रहे थे। हालांकि, 3 जून को एफडब्ल्यूआईसीई ने रणवीर सिंह के खिलाफ लगाया गया प्रतिबंध हटा लिया।

एफडब्ल्यूआईसीई का बैन हटने के बाद अब अभिनेता ने अपने अगले बड़े प्रोजेक्ट 'प्रलय' की शूटिंग शुरू कर दी है।

'प्रलय' को एक जॉम्बी एपोकैलिप्स थ्रिलर बताया जा रहा है। फिल्म में 'लोका' फेम अभिनेत्री कल्याणी प्रियदर्शन रणवीर सिंह के साथ मुख्य भूमिका में नजर आएंगी।

फिल्म की कहानी दुनिया के खत्म होने की खतरनाक स्थिति के बीच इंसानों के संघर्ष पर आधारित होगी। कहानी ऐसे वक्त के इर्द-गिर्द घूमेगी, जब दुनिया खत्म होने के करीब होगी और हर पल उसके लिए एक नई परीक्षा लेकर आएगा। फिल्म का यही सर्वाइवल एंगल इसे सामान्य जॉम्बी फिल्मों से अलग बनाने की कोशिश करता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, मेकर्स फिल्म के लिए असली जगहों और वास्तविक माहौल का इस्तेमाल करना चाहते हैं, ताकि कहानी ज्यादा स्वाभाविक और असरदार लगे।

ईशा की शादी के अगले दिन संसद पहुंच गई थीं हेमा मालिनी, मधु बोलीं- 'बेटी को छोड़कर अगले दिन सामान्य जिंदगी जीना आसान नहीं'

विश्व केसरी

मुंबई। अभिनेत्री मधु ने दिग्गज अभिनेत्री और राजनेता हेमा मालिनी की जिंदगी से जुड़ा एक किस्सा साझा किया है। उन्होंने बताया कि जब हेमा मालिनी की बड़ी बेटी ईशा देओल की शादी हुई थी, तो उसके ठीक अगले दिन वह संसद पहुंच गई थीं। मधु के लिए यह बात इसलिए खास है, क्योंकि एक मां के लिए बेटी की शादी और फिर उसके घर से विदा होने के बाद खुद को सामान्य जिंदगी में वापस लाना आसान नहीं होता। हालांकि हेमा मालिनी ने भावनाओं के बावजूद अपनी जिम्मेदारियों को निभाया और आगे बढ़ती रहीं। मधु का कहना है कि हेमा जी का यही अंदाज उन्हें सबसे ज्यादा प्रेरित करता है।

मीडिया से खास बातचीत में मधु ने हेमा मालिनी की इस खूबी के बारे में विस्तार से बात की। उन्होंने कहा, ''वह जिंदगी में किसी भी परिस्थिति में आगे बढ़ने में विश्वास रखती हैं। यही सोच उन्हें एक मजबूत इंसान बनाती है।''

मधु ने ईशा देओल की शादी का उदाहरण देते हुए बताया कि शादी के अगले ही दिन हेमा मालिनी संसद चली गई थीं। उन्होंने कहा, ''जब ईशा की शादी हुई, तो अगले ही दिन वह संसद चली गईं। वह ईशा को मिस करती हैं। मां और बेटी का रिश्ता बेहद कोमल होता है। बेटी के घर से जाने के बाद अगले दिन सामान्य जिंदगी में लौटना आसान नहीं होता, लेकिन हेमा जी जिंदगी के साथ आगे बढ़ने पर विश्वास रखती हैं। एक इंसान के तौर पर वह शानदार हैं। वह मुझे प्रेरित करती हैं।''

मधु ने हेमा मालिनी के इसी रवैये से जुड़ा एक और किस्सा भी साझा किया। उन्होंने बताया कि एक बार हेमा मालिनी के घर में चोरी हो गई थी। घर से कुछ कीमती सामान चोरी होने के बावजूद उन्होंने खुद को उस घटना के तनाव में ज्यादा देर तक नहीं रखा। उन्होंने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई और फिर अगले ही दिन अपने सामान्य काम में लौट गईं।

मधु ने कहा, ''इस घटना ने भी मुझे हेमा मालिनी की सोच को समझने का मौका दिया कि जिंदगी में जो हो गया, उसे लेकर लगातार परेशान रहने के बजाय अपनी जिंदगी को आगे बढ़ाते रहना चाहिए।''

मधु ने बताया कि जब उन्होंने हेमा मालिनी से पूछा कि वह इतनी बड़ी घटना के बाद भी इतनी सहज कैसे रह पाईं, तो हेमा जी ने उन्हें बेहद अलग अंदाज में जवाब दिया।

हेमा मालिनी ने कहा था, ''क्या कर सकते हैं? शायद पिछले जन्म में मेरा उस पर कोई कर्ज था। अगर वे उसे ढूंढ लेंगे तो वह मुझे वापस मिल जाएगा।''

मधु और हेमा मालिनी के बीच सिर्फ इंडस्ट्री का रिश्ता नहीं है बल्कि दोनों एक-दूसरे की रिश्तेदार भी हैं। मधु, हेमा मालिनी की फर्स्ट कजिन हैं। मधु के पिता पी. रघुनाथन हेमा मालिनी के अंकल हैं।

स्वतंत्रता दिवस की शुभकामना देने पर इजरायल के राष्ट्रपति और पीएम नेतन्याहू को प्रधानमंत्री मोदी ने कहा धन्यवाद

विश्व केसरी

नई दिल्ली। इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और राष्ट्रपति हर्जोग की ओर से स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शुभकामना दिए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनका धन्यवाद अदा किया है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा, 'प्रधानमंत्री नेतन्याहू, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। भारत-इजरायल की विशेष रणनीतिक साझेदारी और मजबूत हो, जिससे नए अवसर खुलें और हमारे देशों के लोगों के बीच गहरे संबंध बनें। इजरायल के राष्ट्रपति इसाक हर्जोग की ओर से शुभकामना देने पर पीएम मोदी ने उनको धन्यवाद दिया। प्रधानमंत्री मोदी की ओर से 'एक्स' पोस्ट में लिखा गया, 'राष्ट्रपति हर्जोग, आपकी शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद। भारत इजरायल के साथ अपनी दोस्ती को बहुत महत्व देता है। हम अपने लोगों के फायदे के लिए अपनी रणनीतिक

साझेदारी को और मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

बीते दिन शनिवार को इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर लिखा गया था, 'भारत और मेरे प्यारे दोस्त नरेंद्र मोदी को 80वें स्वतंत्रता दिवस की बधाई। भारत और इजरायल को एक साल के अंतर से आजादी मिली। हम दो प्राचीन देश हैं जो अपने लोगों के लिए बेहतर जीवन लाने के लिए मिलकर भविष्य की ओर बढ़ रहे हैं। हमारी इनोवेशन और दोस्ती की कोई सीमा नहीं है। सबसे अच्छा समय तो अभी आना बाकी है!

इजरायल के राष्ट्रपति की ओर से सोशल मीडिया पर लिखा गया था, 'इजरायल की ओर से, मैं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और भारत के शानदार लोगों को आपके 80वें स्वतंत्रता दिवस पर हार्दिक बधाई देता हूं! हम इजरायल और भारत के बीच की खूबसूरत दोस्ती को और मजबूत करते रहें।'

बता दें कि स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर शनिवार को देशभर में जश्न का माहौल रहा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने लाल किले की प्राचीर से ध्वजारोहण किया था। इस दौरान उन्होंने 75 मिनट तक देशवासियों को संबोधित किया था। देश को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने कहा था कि आज हम सभी के लिए एक ऐतिहासिक पल है। 80 साल बाद स्वतंत्रता दिवस के मौके पर लाल किले पर पहली बार 'वंदे मातरम' गाया गया। हम 2047 तक 'विकसित भारत' बनाने की दिशा में काम करेंगे। यह 140 करोड़ से ज्यादा देशवासियों की सामूहिक आवाज है।

किम जोंग-उन को रूस के साथ रिश्ते और मजबूत होने की उम्मीद, पुतिन को भेजा संदेश

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया के नेता किम जोंग-उन रूस के साथ अपने संबंधों को लेकर काफी पॉजिटिव हैं। उन्हें उम्मीद है कि दोनों देशों के रिश्ते आने वाले समय में और बेहतर होंगे। किम ने यह बात रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को भेजे एक संदेश में कही है। उत्तर कोरिया की सरकारी मीडिया ने रविवार को इसकी जानकारी दी।

योनहाप न्यूज एजेंसी के अनुसार, यह संदेश कोरिया की जापानी औपनिवेशिक शासन से मुक्ति की 81वीं वर्षगांठ के मौके पर पुतिन की ओर से भेजे गए बधाई संदेश के जवाब में दिया गया। उत्तर कोरिया के सरकारी समाचार माध्यम केसीएनए ने बताया कि, किम ने शनिवार को भेजे अपने संदेश में रूस-उत्तर कोरिया संबंधों को साझा संघर्ष और दोस्ती की परंपरा पर आधारित बताया। किम ने कहा कि वह पुतिन के साथ मिलकर दोनों देशों के संबंधों को आगे बढ़ाने में सक्षम होने पर गर्व महसूस करते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि दोनों देशों के बीच मौजूदा साझेदारी भविष्य में और मजबूत होगी तथा आपसी सहयोग का दायरा बढ़ेगा।

किम और पुतिन के बीच पिछले कुछ वर्षों में रिश्ते तेजी से मजबूत हुए हैं। जून 2024 में पुतिन की प्योंगयांग यात्रा के दौरान दोनों देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी संधि पर हस्ताक्षर किए थे। इस समझौते में दोनों देशों के बीच सुरक्षा और रक्षा सहयोग को मजबूत करने का प्रावधान भी शामिल है।

यूक्रेन युद्ध के बाद रूस और उत्तर कोरिया की नजदीकी और बढ़ी है। पश्चिमी देशों और दक्षिण कोरिया के अनुसार, प्योंगयांग ने रूस को हथियार और गोला-बारूद उपलब्ध कराया है। यही नहीं रूसी सेना की मदद के लिए सैनिक भी भेजे हैं। इसके बदले उत्तर कोरिया को रूस से सैन्य और तकनीकी सहयोग मिलने की आशंका जताई जाती रही है।

पुतिन ने भी अपने संदेश में दोनों देशों के बीच सहयोग को रेखांकित किया।

संक्षिप्त खबर

अमेरिका : इंडियाना में तीन दशक की सबसे भीषण बाढ़, छह की मौत

विश्व केसरी

इंडियानापोलिस/वाशिंगटन। अमेरिकी राज्य इंडियाना में भारी बारिश के बाद आई भीषण बाढ़ ने बड़े स्तर पर तबाही मचा दी है। अधिकारियों के अनुसार, राज्य में चार साल के बच्चे समेत छह लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई इलाकों में जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हुआ है। इसे पिछले तीन दशकों में राज्य की सबसे गंभीर बाढ़ की घटनाओं में से एक बताया जा रहा है। इंडियाना स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन्स सेंटर ने कहा कि मरने वालों में तीन महिलाएं और दो पुरुष भी शामिल हैं। रॉयटर्स की रिपोर्ट के मुताबिक, डेलावेयर काउंटी में दो और जेनिंग्स, लेक, पोर्टर और लापोर्ट काउंटी में एक-एक मौत की खबर है। एबीसी न्यूज की रिपोर्ट के मुताबिक, अधिकारियों ने शुरू में पांच मौतों की खबर दी थी, जिसके बाद राज्य के होमलैंड सिक्योरिटी डिपार्टमेंट ने शनिवार को बाद में छठी मौत की पुष्टि की। अधिकारियों ने कहा कि तूफान 11 अगस्त को इंडियाना से टकराना शुरू हुआ था। लगातार हुई मूसलाधार बारिश के कारण नदियों का जलस्तर तेजी से बढ़ गया और कई सड़कें तथा रिहायशी इलाके पानी में डूब गए। आपातकालीन सेवाओं को प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव अभियान चलाना पड़ा। बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। इंडियाना के गवर्नर माइक ब्राउन ने शुक्रवार को प्रेसिडेंट इमरजेंसी की घोषणा की। शनिवार को, उन्होंने एक बयान जारी कर बताया कि संघीय सरकार ने मदद का वादा किया है।

ईरान ने फ्रांस को आंतरिक मामलों में दखल न देने की दी चेतावनी

विश्व केसरी

तेहरान। ईरान के इंटेलिजेंस मंत्रालय ने फ्रांसीसी सरकार को ईरान के आंतरिक मामलों में 'गैर-कानूनी दखल' के खिलाफ चेतावनी दी है। मंत्रालय ने शनिवार को अपनी वेबसाइट पर एक बयान में कहा कि जुलाई में तेहरान में दो फ्रांसीसी राजनयिकों ने विदेशी घुसपैठ और दखलअंदाजी से जुड़े एक बड़े मामले के संदिग्धों के साथ एक गुप्त बैठक में हिस्सा लिया था। जांच के बाद, मंत्रालय ने कहा कि इन राजनयिकों का ईरान के घरेलू कानूनों और उनकी राजनयिक जिम्मेदारियों के उल्लंघन और ऐसे व्यवहार का लंबा रिकॉर्ड रहा है। मंत्रालय ने कहा कि वह ईरान में विदेशी राजनयिकों को 'गैर-कानूनी दखलअंदाजी' वाली गतिविधियों में शामिल नहीं होने देगा, साथ ही चेतावनी दी कि अगर ऐसा व्यवहार दोबारा हुआ, तो उचित कार्रवाई की जाएगी। यह जानकारी सिन्हुआ समाचार एजेंसी ने दी। 20 जुलाई को फ्रांस के विदेश मंत्री जीन-नोएल बैरोट ने कहा था कि तेहरान में फ्रांस के दूतावास के दो अधिकारियों को हिरासत में लिया गया और उनके साथ बुरा बर्ताव किया गया। उन्होंने बताया कि दूतावास लौटने से पहले दोनों को बिना किसी वजह के कई घंटों तक हिरासत में रखा गया, उनसे पूछताछ की गई और उनमें से एक के साथ शारीरिक दुर्व्यवहार किया गया। बैरोट ने कहा कि वे अब सुरक्षित हैं और कुछ ही घंटों में फ्रांस लौटने वाले हैं।

औपचारिक रूप से युद्ध खत्म करने के दक्षिण कोरियाई राष्ट्रपति ली के प्रस्ताव पर प्योंगयांग खामोश

विश्व केसरी

सोल। उत्तर कोरिया ने दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति ली जे-म्युंग की उस पहल पर अब तक कोई प्रतिक्रिया नहीं दी है, जिसमें उन्होंने 1950-53 के कोरियाई युद्ध को औपचारिक रूप से समाप्त करने और स्थायी शांति व्यवस्था स्थापित करने के लिए बातचीत का प्रस्ताव दिया था।

योनहाप न्यूज एजेंसी ने बताया कि ली ने शनिवार को देश के मुक्ति दिवस के मौके पर दिए अपने संबोधन में उत्तर कोरिया के साथ संवाद बहाल करने की अपील की। उन्होंने कहा कि दोनों देशों को लंबे समय से चले आ रहे टकराव को समाप्त करने और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व की दिशा में आगे बढ़ने के प्रयास करने चाहिए। हालांकि, उत्तर कोरिया के सरकारी मीडिया ने रविवार सुबह तक ली के संबोधन को लेकर कोई खबर प्रकाशित नहीं की। सरकारी समाचार एजेंसी कोरियन सेंट्रल न्यूज एजेंसी (केसीएनए) और रोडोंग सिनमुन ने इसके बजाय जापानी औपनिवेशिक शासन से कोरिया

की मुक्ति की 81वीं वर्षगांठ से जुड़े देशभर के कार्यक्रमों को प्रमुखता दी।

कोरियाई युद्ध 1953 में युद्धविराम समझौते के साथ समाप्त हुआ था, लेकिन दोनों देशों के बीच अब तक कोई औपचारिक शांति संधि नहीं हुई है। इसलिए तकनीकी रूप से उत्तर और दक्षिण कोरिया अभी भी युद्ध की स्थिति में हैं। युद्ध को औपचारिक रूप से समाप्त करने के लिए शांति समझौता करना लंबे समय से क्षेत्रीय कूटनीति का अहम मुद्दा रहा है।

राष्ट्रपति ली का ताजा प्रस्ताव ऐसे समय आया जब उनका प्रशासन उत्तर कोरिया के साथ संबंधों में तनाव कम करने और संवाद शुरू करने की लगातार कोशिश कर रहा है। ली के प्रशासन ने सत्ता संभालने के बाद से उत्तर कोरिया के साथ बातचीत और शांतिपूर्ण सह-अस्तित्व को अपनी प्रमुख नीतियों में शामिल किया है। हालांकि, प्योंगयांग ने अब तक सोल की मेल-मिलाप की कई कोशिशों पर सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं दी है। उत्तर कोरिया ने हाल के वर्षों में दक्षिण कोरिया के प्रति अपना रुख और कड़ा किया है तथा दोनों देशों के बीच सैन्य और राजनीतिक तनाव बना हुआ है।

ली के प्रस्ताव में युद्ध को औपचारिक रूप से समाप्त करने के साथ-साथ क्षेत्र में स्थायी शांति व्यवस्था स्थापित करने की दिशा में बातचीत पर जोर दिया गया है, लेकिन उत्तर कोरिया की शुरुआती चुप्पी से संकेत मिलता है कि सोल के लिए प्योंगयांग को बातचीत की मेज पर लाना फिलहाल आसान नहीं होगा।

हिंद-प्रशांत में रक्षा सहयोग बढ़ाने को तत्पर जापान, ऑस्ट्रेलिया के बाद भारत पहुंचेंगे रक्षा मंत्री कोइज़ुमी

विश्व केसरी

टोक्यो। जापान हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रक्षा सहयोग बढ़ाने को तत्पर है। यही वजह है कि जापान के रक्षा मंत्री शिंजीरो कोइजुमी इस सप्ताह दो ऐसे देशों का दौरा करेंगे जो इस क्षेत्र के मजबूत सहयोगी हैं। ऑस्ट्रेलिया के बाद वो भारत पहुंचेंगे और अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह से मुलाकात करेंगे।

जापान के रक्षा मंत्रालय के हवाले से जीजी न्यूज एजेंसी ने ये जानकारी दी है। मंत्रालय के अनुसार कोइजुमी दोनों देशों के अपने समकक्षों से मिलेंगे। इसका मकसद रक्षा उपकरणों के जॉइंट डेवलपमेंट समेत सुरक्षा सहयोग को मजबूत करना है। मंगलवार को कोइजुमी ऑस्ट्रेलिया की राजधानी कैनबरा पहुंचेंगे। उप प्रधानमंत्री एवं रक्षा मंत्री रिचर्ड मार्ल्स के साथ द्विपक्षीय सुरक्षा और रक्षा सहयोग पर चर्चा करेंगे। दोनों देशों के बीच बातचीत का मुख्य केंद्र ऑस्ट्रेलिया द्वारा जापान की मोगामी-क्लास फ्रिगेट्स हासिल करने की योजना और दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को और मजबूत करना होगा।

जापान के रक्षा मंत्रालय के अनुसार, कोइजुमी की यात्रा को दोनों देशों के रक्षा संबंधों के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जापान और ऑस्ट्रेलिया हिंद-प्रशांत क्षेत्र में सुरक्षा सहयोग बढ़ाने की दिशा में लगातार कदम उठा रहे हैं। मोगामी-क्लास युद्धपोतों की खरीद इस रणनीतिक साझेदारी का एक अहम हिस्सा है। दोनों देशों ने अप्रैल में ऑस्ट्रेलियाई नौसेना के लिए पहले तीन जहाजों के निर्माण से संबंधित अनुबंध को अंतिम रूप दिया था।

उत्तर कोरियाई सैनिकों के सीमा पार करने पर दक्षिण कोरिया ने दागे 'वॉर्निंग शॉट्स'

विश्व केसरी

सोल। दक्षिण कोरियाई सेना ने पिछले सप्ताह उत्तर कोरिया के कई सैनिकों के सैन्य सीमांकन रेखा (एमडीएल) को पार करते देख चेतावनी के तौर पर गोलियां चलाई थीं। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों ने रविवार को यह जानकारी दी। चेतावनी के बाद उत्तर कोरियाई सैनिक वापस अपनी सीमा में लौट गए थे।

सरकारी सूत्र के मुताबिक, यह घटना पूर्वी मोर्चे के अग्रिम इलाके में हुई। उत्तर कोरियाई सैनिकों का एक समूह एमडीएल के दक्षिणी हिस्से में कुछ समय के लिए दाखिल हो गया था। दक्षिण कोरियाई सेना ने निर्धारित सैन्य नियमों के तहत पहले चेतावनी दी और इसके बाद चेतावनी गोलियां चलाईं। दक्षिण कोरियाई अधिकारियों के अनुसार, उत्तर कोरियाई सैनिकों के वापस लौटने के बाद इलाके में किसी असामान्य गतिविधि की सूचना नहीं मिली। शुरुआती आकलन में माना जा रहा है कि ये सैनिक संभवत: सीमा क्षेत्र में नियमित गश्त कर रहे थे और इसी दौरान गलती से सीमांकन रेखा पार कर गए।

एमडीएल दोनों देशों को अलग करने वाले असैन्यीकृत क्षेत्र (डीएमजेड) के बीच से गुजरती है। यह सीमा 1950-53 के कोरियाई युद्ध के बाद स्थापित युद्धविराम व्यवस्था का हिस्सा है। दोनों देशों के बीच अब तक औपचारिक शांति संधि नहीं हुई है।

दक्षिण कोरियाई सेना की निर्धारित कार्रवाई के तहत, जब उत्तर कोरियाई सैनिक एमडीएल के करीब पहुंचते हैं तो उन्हें पहले चेतावनी प्रसारण के जरिए पीछे हटने को कहा जाता है। यदि वे सीमा पार कर जाते हैं ।

इंडोनेशिया में 7.7 तीव्रता के भूकंप से 51 की मौत, लगाया गया 14 दिन का आपातकाल

विश्व केसरी

जकार्ता। इंडोनेशिया के पूर्वी नुसा तेंगारा प्रांत की सरकार ने फ्लोरेस द्वीप में आए 7.7 तीव्रता के शक्तिशाली भूकंप के बाद 14 दिनों के लिए आपातकालीन प्रतिक्रिया की स्थिति घोषित कर दी है। यह अवधि 15 से 28 अगस्त तक लागू रहेगी।

प्रांतीय सरकार के आदेशानुसार, भूकंप का केंद्र नगेकेओ रीजेंसी के मबे शहर से करीब 30 किलोमीटर उत्तर-पूर्व में 15 किलोमीटर की गहराई पर था। इंडोनेशिया की राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन एजेंसी (बीएनपीबी) के मुताबिक, भूकंप के बाद आए 341 झटकों के बीच अब तक 51 लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि 113 लोग घायल हुए हैं। भूकंप के कारण बड़ी संख्या में लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। सिक्का में 3,356, मंगराई में 2,078 और नगेकेओ में 500 लोग राहत शिविरों में शरण लिए हुए हैं। बिमा और सेलयार इलाकों में भी लोग विस्थापित हुए हैं।

आपदा में 914 मकान पूरी तरह या भारी क्षतिग्रस्त हुए हैं, जबकि 126 मकानों को मध्यम और 317 को हल्का नुकसान पहुंचा है। इसके अलावा 93 शैक्षणिक संस्थानों, 36 स्वास्थ्य केंद्रों और 38 सरकारी कार्यालयों को भी क्षति पहुंची है। पूर्वी नुसा तेंगारा के गवर्नर मेल्की लाका लेना ने कुपांग में संवाददाता सम्मेलन में बताया कि भूस्खलन के कारण कई सड़कें बंद हो गई हैं या उनका संपर्क बाधित हुआ है। इससे प्रभावित क्षेत्रों तक राहत और बचाव दलों की पहुंच चुनौतीपूर्ण बनी हुई है। बीएनपीबी ने प्रभावित इलाकों में भोजन और अन्य जरूरी राहत सामग्री भेजनी शुरू कर दी है। पूर्वी फ्लोरेस रीजेंसी स्थित लॉजिस्टिक गोदाम से भी राहत सामग्री भेजी गई है। इसके अलावा जकार्ता से भी सामग्री हलिम पेरदानाकुसुमा एयर फोर्स बेस के जरिए प्रभावित क्षेत्रों तक पहुंचाई जा रही है।

हंगरी में भीषण सड़क हादसा: 12 की मौत और कई घायल, 24 टन वजनी कोच के नीचे दबे थे लोग

विश्व केसरी

बुडापेस्ट। हंगरी में रविवार तड़के भीषण सड़क हादसे में 12 लोगों की मौत हो गई और 10 की स्थिति गंभीर बताई जा रही है। एम3 मोटरवे (राजमार्ग) पर मेजोकेरेजटेस शहर के पास पोलैंड में रजिस्टर्ड टूरिस्ट बस खाई में गिर गई। 24 टन वजनी कोट को हटाने के लिए क्रेन का इस्तेमाल करना पड़ा। इसके नीचे कई यात्री दबे पड़े थे।

पुलिस के मुताबिक, यह हादसा रात करीब 1 बजे मेजोकेरेजटेस से निकलने के थोड़ी देर बाद, न्यिरेगीहाजा शहर की ओर जाने वाले मोटरवे पर पलट गई। सरकारी समाचार एजेंसी एमटीआई के अनुसार, बस में 57 यात्री और दो ड्राइवर सवार थे। शुरुआती जांच के आधार पर पुलिस का मानना है कि अचानक ड्राइवर को नींद की झपकी आई जिससे वाहन पर से नियंत्रण खो दिया और यह दुर्घटना हुई। ड्राइवर को पुलिस कस्टडी में लिया जा रहा है। नेशनल एम्बुलेंस सर्विस (ओएमएसजेड) ने कहा कि हादसा बड़ा था इसलिए 14 एम्बुलेंस यूनिट्स को मौके पर भेजा गया। एक व्यक्ति की जान को खतरा है, जबकि नौ को ज्यादा चोट आई है। वहीं, 37 अन्य लोगों को मामूली चोट आई है। रेस्क्यू ऑपरेशन खास तौर पर मुश्किल था क्योंकि कई पैसेंजर पलटी हुई गाड़ी के नीचे फंसे हुए थे।

बेल्जियम में लगी भीषण आग से हाहाकार, 2,000 हेक्टेयर जमीन जलकर राख

विश्व केसरी

ब्रसेल्स। बेल्जियम में आग लगने से हाहाकार मच गया है। आग इतनी भीषण है कि 2,000 हेक्टेयर जमीन जलकर राख हो गई है। अधिकारियों ने जानकारी दी है कि शनिवार शाम तक बेल्जियम के पूर्वी इलाके 'हाई फेन्स' में लगी देश की अब तक की सबसे भीषण आग की वजह से लगभग 2,000 हेक्टेयर वनस्पति जलाकर राख हो गई है।

वालून पब्लिक सर्विस की ओर से पुष्टि की गई है कि जंगल की आग से जलने वाले सबसे बड़े इलाके का राष्ट्रीय रिकॉर्ड इस आग ने बनाया है। सिन्हुआ समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, शुक्रवार दोपहर करीब 2 बजे आग लगने के बाद लगभग 30 घंटे तक आग बुझाने का काम जारी रहा।

स्थानीय मीडिया के अनुसार, आस-पास के इलाकों से करीब 600 लोगों को सुरक्षित जगहों पर पहुंचाया गया है। एहतियात के तौर पर वाइम्स नगरपालिका के सौरब्रॉड्ट इलाके के करीब 500 लोगों और बुटजेनबैक के करीब 100 लोगों को वहां से हटाया गया। सुरक्षित जगहों पर पहुंचाने के आदेश सौरब्रॉड्ट की 15 सड़कों और बुटजेनबैक की सात सड़कों के लिए लागू किए गए थे।

ईयू सिविल प्रोटेक्शन मैकेनिज्म के तहत अंतरराष्ट्रीय मदद जुटाई जा रही थी। आग पर काबू पाने के लिए डच सेना के दो हेलीकॉप्टर, चेक गणराज्य का एक फायरफाइटिंग हेलीकॉप्टर और स्वीडन के दो फायरफाइटिंग विमान तैनात किए गए। स्थानीय अधिकारियों ने कहा कि हवाओं की वजह से आग बुझाने में परेशानी हो रही थी और आग के बढ़ने का भी खतरा बढ़ गया था। इससे पहले बेल्जियम ने आग बुझाने में अतिरिक्त मदद के लिए यूरोपीय संघ के सिविल प्रोटेक्शन मैकेनिज्म को सक्रिय करने का अनुरोध किया था। शनिवार को ईयू के बेड़े से एक हेलीकॉप्टर और दो फायरफाइटिंग विमान बेल्जियम के लिए रवाना हुए थे। शनिवार दोपहर तक आग बेकाबू बनी हुई थी। बेल्जियम के अधिकारियों ने तीन हेलीकॉप्टर तैनात किए, जबकि सेना ने जमीन पर चल रहे ऑपरेशन को मजबूत करने के लिए तीन पैंथर फायरफाइटिंग वाहन भेजे थे।

15 अगस्त । स्वतंत्रता दिवस की
हार्दिक बधाई एवं शुभकमानाएं...
गौतम हॉस्पिटल
आपका स्वास्थ्य, हमारी प्राथमिकता
24x7
आपातकालीन सेवा
हर आपात स्थिति में
हम है आपके साथ
उपलब्ध आपातकालीन सेवाएं
24X7 अनुभवी डॉक्टर एवं नर्सिंग स्टाफ
आधुनिक ICU एवं क्रिटिकल केयर सुविधा
24X7 एम्बुलेंस सेवा
ऑक्सीजन एवं इमरजेंसी लाइफ सपोर्ट
डिजिटल एक्स-रे एवं पैथोलॉजी जॉच
सीटी स्कैन एवं 3D/4D कलर सोनोग्राफी
दुर्घटना (Accident) एवं ट्रामा की त्वरित चिकित्सा
हार्ट अटैक, स्ट्रोक, सॉस की तकलीफ एवं गंभीर मरीजों का तत्काल उपचार
AMBULANCE
इन स्थितियों में तुरंत अस्पताल आएं
सीने में तेज दर्द
सॉस लेने में तकलीफ
सड़क दुर्घटना या गंभीर चोट
अचानक बेहोशी या दौरा पड़ना
अत्यधिक रक्तस्राव
तेज बुखार के साथ बेहोशी या भ्रम
आपका स्वास्थ्य, हमारी प्राथमिकता
हर पल, हर परिस्थिति में बेहतर और विश्वसनीय
चिकित्सा सेवा देने के लिए गौतम हॉस्पिटल सदैव तत्पर है..
NEAR KANHARGAON NAKA,
BHANUPRATAPPUR,
DISTRICT KANKET (C.G.)
99779 55333
77110 66662
www.gautamhospital.org

आन देश की, शान देश की, देश की हम संतान हैं
तीन रंगों से रंगा तिरंगा, अपनी ये पहचान है !
समस्त क्षेत्रवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं...
वन विभाग
वन बचेंगे तो
जीवन बचेगा
पेड़-पौधों की रक्षा करें
हरियाली को बढ़ाएं
जंगल को आग से बचाएं
वन्य जीवों का संरक्षण करें
वन हमारी धरोहर है,
आओ मिलकर इसे बचाएं
विनीत : वन परिवार, भानुप्रतापपुर

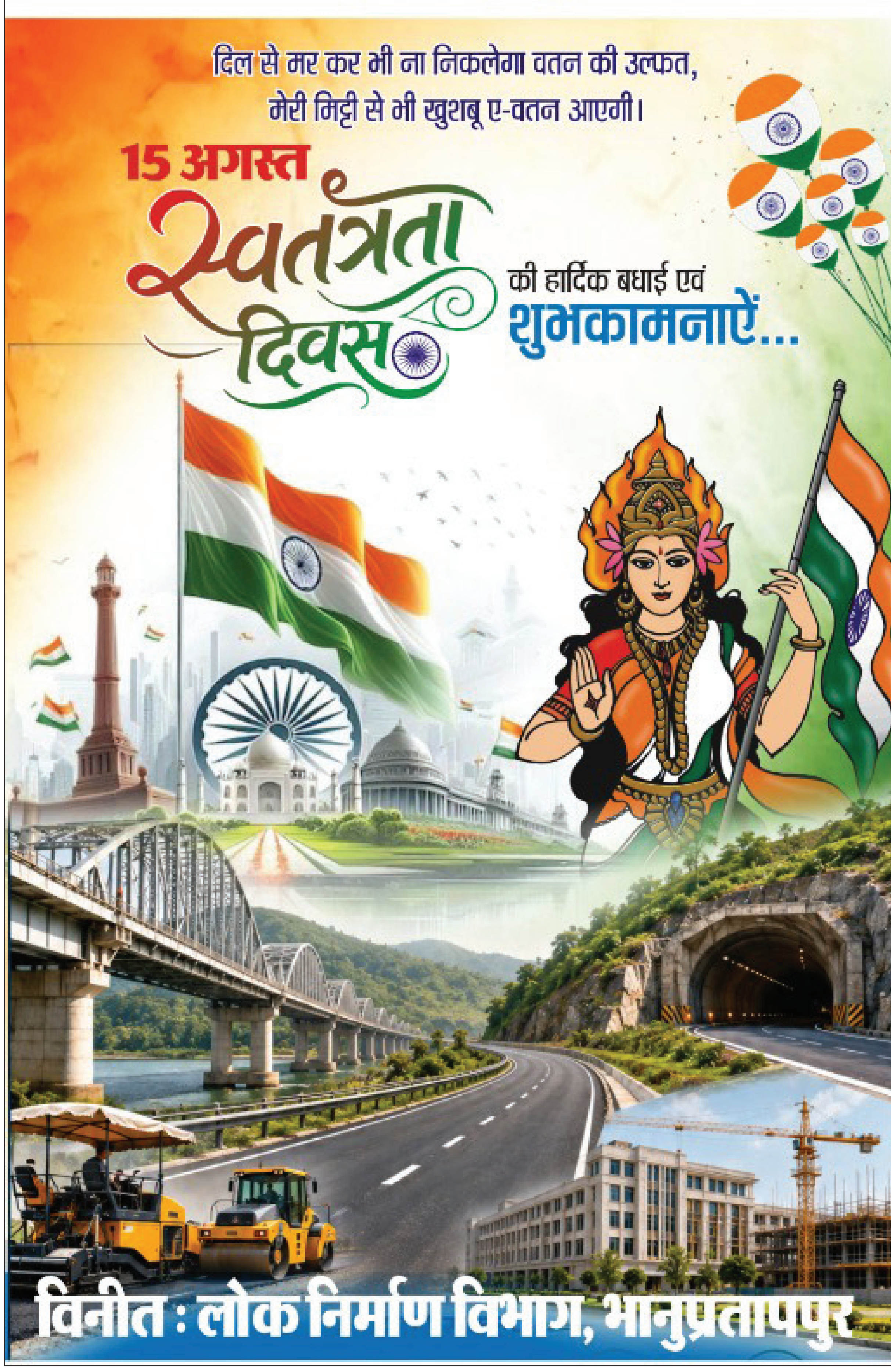
दिल से मर कर भी ना निकलेगा वतन की उल्फत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए-वतन आएगी।
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाऐं...
विनीत : लोक निर्माण विभाग, भानुप्रतापपुर

दे सलामी इस तिरंगे को, जिससे तेरी शान है,
सिर हमेशा ऊंचा रखना इसका जब तक जान है।
15
अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं..
प्रधान मंत्री
ग्राम सड़क योजना
विनीत : प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क, भानुप्रतापपुर
बेहतर सड़क • बेहतर जीवन • विकसित गॉव • आत्मनिर्भर भारत

शहीदों की चिताओं पर, लगेंगे हर बरस मेले,
वतन पर मरने वालों का, यही बाकी निशां होगा।
समस्त प्रदेशवासियों को
अगस्त 15
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं....
विनीत - जायसवाल निको इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मेटल माईस डिवीजन, भानुप्रतापपुर

न भूलो बलिदान उनका, जिनसे तुम आजाद हो,
सच है कि उनकी ही वजह से तुम आज आबाद हो।
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाऐं...
विनीत - आदिम जाति सेवा समिति मर्यादित, संबलपुर

कभी भी आजादी की शाम ना हो
देश के वीरों की कुर्बानी कभी भी बदनाम न हो
जय हिंद की सेना, जय हो भारतवर्ष !
समस्त ग्राम पंचायत एवं क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाऐं...
विनीत - आदिम जाति सेवा समिति मार्यदित, दमकसा

ऋण है शहीदों का मगर, कैसे इसे चुकाएंगे,
लहू की जब तक बूंद है, तिरंगा हम फहरायेंगे।
समस्त क्षेत्रवासियों को
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाऐं...
विनीत - वन परिक्षेत्र अधिकारी, कोरर

दिल से मर कर भी ना निकलेगा वतन की उल्फत,
मेरी मिट्टी से भी खुशबू ए-वतन आएगी।
समस्त क्षेत्रवासियों को
15 अगस्त
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं...
मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत भानुप्रतापपुर

भानुप्रतापपुर परिवहन संघ 10974
एकता पैनल परिवार की ओर से
गुरदीप सिंह ढींडसा (रिम्पी)
अध्यक्ष
लक्ष्मीकांत ठाकुर (बब्बू)
उपाध्यक्ष
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाऐं...
विनीत :- परिवहन संघ,भानुप्रतापपुर

जब जब देश पर संकट आया, मां भारती की सेवा में
आजादी के मतवालों ने अपना शीश नवाया।
अगस्त 15
अनिता रावटे
सरपंच
स्वतंत्रता दिवस
बरन सिंह आंचला
सचिव
की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाऐं....
विनीत -समस्त ग्रामवासी, संबलपुर

विजयी विश्व तिरंगा प्यारा,
झंडा ऊंचा रहे हमारा
स्वतंत्रता दिवस
की हार्दिक बधाई एवं
शुभकामनाऐं...
भेनू दुग्गा
सरपंच
तुलसी यदु
सचिव
विनीत - समस्त ग्रामवासी, नारायणपुर

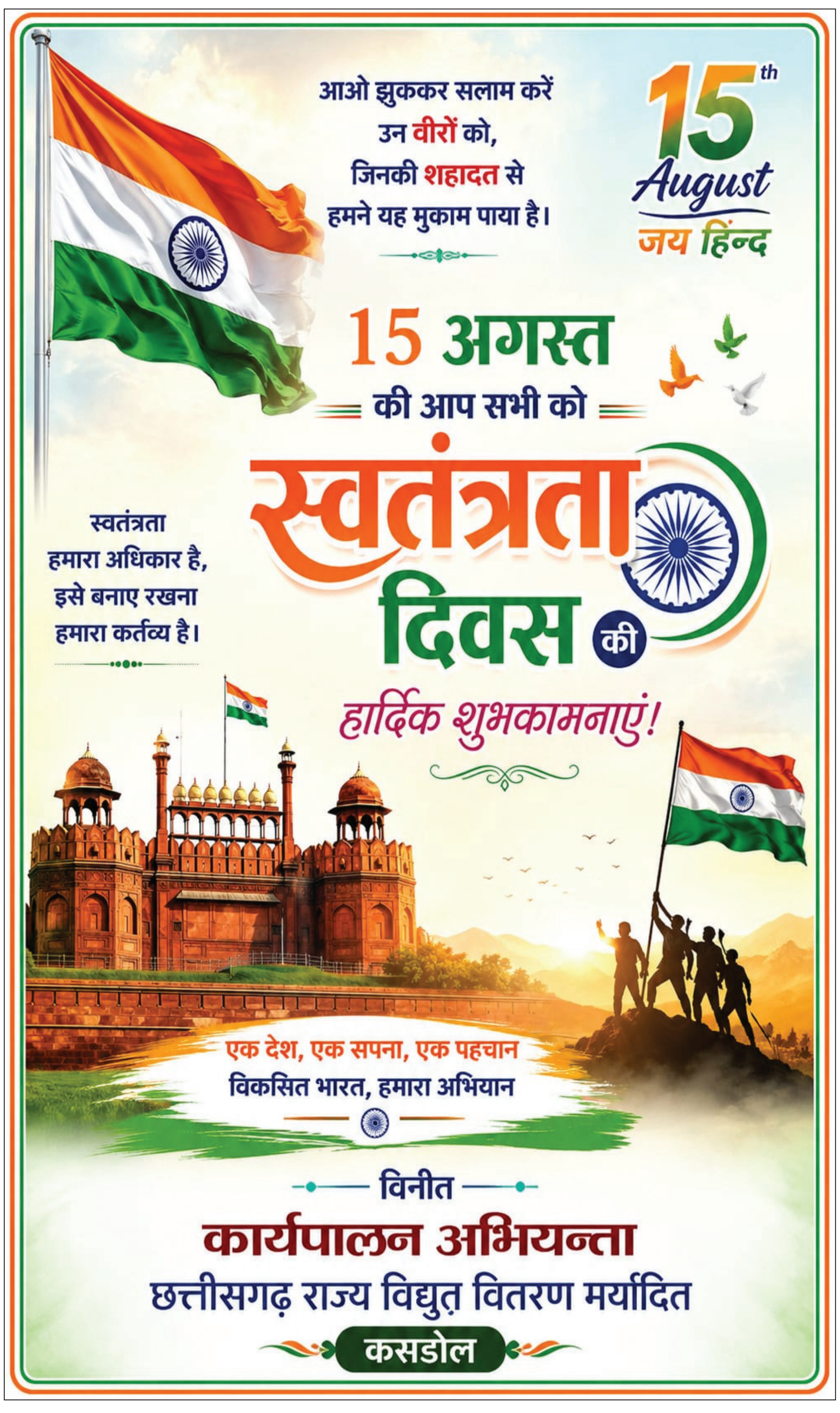

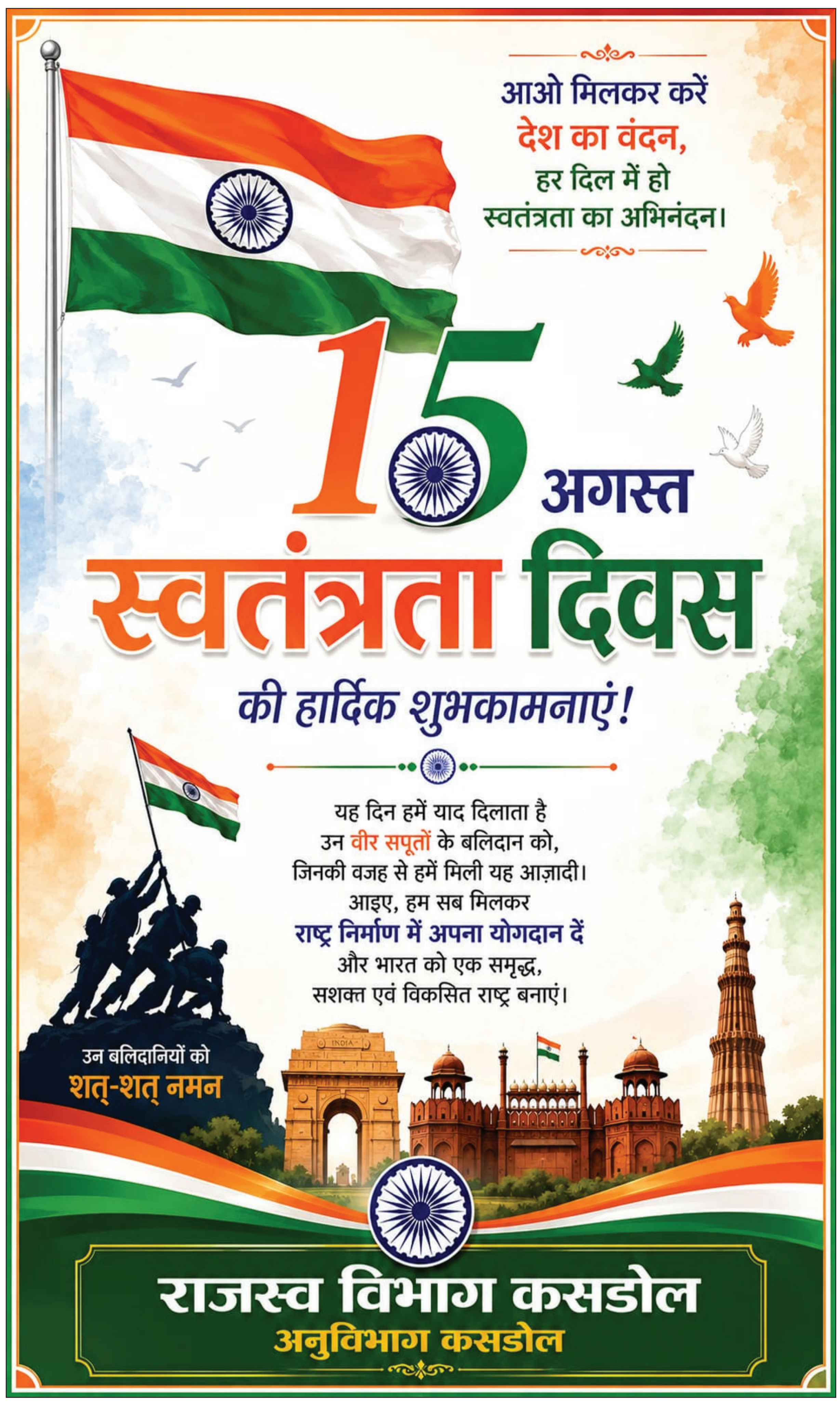

स्वात्वधिकारी राइवल्स मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए, मुद्रक, प्रकाशक एवं संपादक सुजीत कुमार द्वारा साई प्रीटिंग प्रेस, डी-85, सेक्टर 6 नोएडा,गौतम बुध्द नगर पिन कोड -201301 उ.प्र. से मुद्रित और मकान संख्या एन-58 जगतराम पार्क के सामने, लक्ष्मी नगर पूर्व दिल्ली-110053 से प्रकाशित
समाचार संपादक : चन्द्रमणी साव (पीआरबी एक्ट के अनुसार समाचार पत्र चयन एवं संपादन के लिए उत्तरदायी। नोट किसी भी विवाद के निपटारे के लिए न्यायक्षेत्र दिल्ली होगा) मोबाइल 9340573892 ई-मेल: vishwakesari2026@gmail.com,आर.एन.आई.नं. DLHIN/2015/61415